आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 78 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 सितंबर 2025 शनिवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

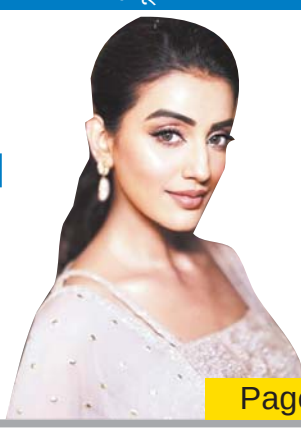

Page-7

अगले माह खत्म हो सकता है मेट्रो का इंतजार.. पहले एक हफ्ते यात्रा मुफ्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में मेट्रो शुरू होने के बाद भोपाल के यात्री एक साल से यहां भी इसके शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। इनके लिए अक्टूबर का महीना खुशखबरी लेकर आ सकता है। मेट्रो के ट्रायल रन के बीच ही अगले महीने कमर्शियल रन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले चरण की मेट्रो को हरी झंडी दिखा सकते हैं। यात्रियों को पहले 7 दिन तक फ्री में सफर करने का मौका मिलेगा। वहीं, कुछ दिनों तक किराए में डिस्काउंट में टिकट मिलने के बाद 20 रुपये की शुरूआती कीमत में लोग यात्रा कर पाएंगे।

भोपाल मेट्रो के अफसरों के अनुसार शुरुआती 7 दिन तक यात्री मेट्रो में फ्री सफर कर पाएंगे। इसके बाद 3 महीने तक टिकट पर

पहले चरण के बचे काम 15 दिन में खत्म करने का टारगेट , पीएम मोदी दिखा सकते हैं हरी झंडी

75 फीसदी, 50 फीसदी और 25 फीसदी की छूट दी जाएगी। यह छूट खत्म होते ही 20 रुपए का टिकट लेकर लोग मेट्रो का सफर कर पाएंगे। भोपाल के सभी चरण प्रारंभ होने के बाद अधिकतम किराया 80 रुपए रखने का विचार है। 31 मई को इंदौर में चलाई गई मेट्रो के लिए भी यही मॉडल रहा था। बताया जाता है कि जिस लाइन पर पहले मेट्रो चलेगी उसके एम्स, अलकापुरी और डीआरएम ऑफिस स्टेशन पर गेट लगाने समेत अन्य काम अधूरे हैं। इन्हें अगले 15 दिन में पूरा करने का टारगेट तय किया गया है।

भोपाल मेट्रो में लास्ट माइल कनेक्टविटी की योजना नहीं : देखें पेज 2

सीएमआरएस टीम 24 को आएगी

मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू करने से पहले कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) की एक टीम 24 सितंबर को भोपाल पहुंचेगी। सीएमआरएस का दौरा सबसे खास होता है। इसकी 'ओके' रिपोर्ट मिलने के बाद कमर्शियल रन शुरू होती है। यह टीम डिपो और गाड़ी को जांचेगी। साथ ही ट्रैक के नट-बोल्ट से लेकर सिग्नल तक देखेगी। 25 और 26 सितंबर को निरीक्षण पूरा होगा। यह शेड्यूल आने के बाद एमपी मेट्रो के अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। इस जांच के बाद एक और केंद्रीय टीम भी आएगी। फाइनल रिपोर्ट के बाद मेट्रो को दौड़ाया जा सकता है।

ऑरेंज लाइन का पहला चरण ही पूरा

बता दें कि पहले चरण के तहत ऑरेंज लाइन में एम्स साकेत नगर से सुभाष नगर डिपो तक करीब 6 किलोमीटर की दूरी की लाइन बनाई गई है। इसके बाद दूसरा फेस सुभाषनगर से करोंद तक के लिए कार्य चल रहा है। इसमें करीब 2 से 3 वर्ष लगने का अनुमान है। फिलहाल भोपाल के सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन ट्रैक पर मेट्रो दौड़ाकर ट्रायल रन किया जा रहा है। ट्रायल रन में न्यूनतम 30 और अधिकतम 80 किमी प्रतिघंटा रफ्तार रखी जा रही है। दिल्ली सहित कई शहरों में टिकट प्रणाली आनलाइन हो गई है। लेकिन भोपाल में मैन्युअल टिकट से ही यात्रा होगी। बता दें कि ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम लगाने वाली तुर्किए की कंपनी असिस गार्ड' का टेंडर सरकार ने निरस्त कर दिया है। इसकी वजह है तुर्किए ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को ड्रोन देकर मदद की थी।

निगम-मंडल में नियुक्तियों पर रायशुमारी की सियासी अटकलें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दो मुलाकातों से मध्य प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। वहीं, सीएम मोहन यादव ने भोपाल में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की । खबर है कि दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में कुछ देर तक बात हुई है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में लंबे समय से बोर्ड और निगमों में सियासी नियुक्तियों को लेकर चर्चा है। दावेदार करीब दो साल से भोपाल और दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन अभी सब कुछ अटकलें ही हैं। हालांकि अब चर्चा है कि जल्द ही बोर्ड और निगमों में नियुक्तियां हो जाएंगी। बोर्ड और निगमों में पार्टी हर खेमे को साधने की कोशिश करेगी। इन मुलाकातों को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

दिल्ली के साथ-साथ भोपाल में भी सियासी गहमागहमी थी। सीएम मोहन यादव ने विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की । हालांकि इसे सामान्य मुलाकात बताया जा रहा है। मगर जानकारों का कहना है कि नियुक्तियों से पहले रायशुमारी की जा रही है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद से निगम और बोर्ड में नियुक्तियां नहीं हुई हैं। पार्टी चाहती है कि तमाम कद्दावर नेताओं की राय का ख्याल रखा जाए। इसके बाद नियुक्तियों पर अंतिम मुहर लगे। इसके साथ ही कैबिनेट विस्तार की अटकलें भी हैं। कुछ नए चेहरों की एंट्री कैबिनेट में हो सकती है। हालांकि इसे लेकर सीएम ने कभी कुछ कहा नहीं है।

शाह से मिले कैलाश, सीएम यादव की विधानसभा अध्यक्ष तोमर से मीटिंग

उधर , एमपी के कद्दावर नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की । दोनों के बीच बंद कमरे में कुछ देर तक बात होने की खबर है। मुलाकात के बाद कैलाश विजयवर्गीय ने एक्स पर लिखा कि उनसे समसामयिक और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर सार्थक संवाद हुआ। गृह मंत्री से प्रदेश की प्रगति के संदर्भ में भी चर्चा हुई। माना जाता है कि अमित शाह के साथ कैलाश विजयवर्गीय के व्यक्तिगत संबंध अच्छे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर चर्चा हुई होगी।

गुजरात दौरे में मोदी ने फिर दिया आत्मनिर्भरता पर जोर, कांग्रेस पर बोला हमला

दूसरे देशों पर निर्भरता ही हमारी सबसे बड़ी दुश्मन

अहमदाबाद/भावनगर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात दौरे में एक बार फिर आत्मनिर्भरता पर जोर दिया है। उन्होंने भावनगर में समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में कहा कि हमारा दुनिया में कोई दुश्मन नहीं है, लेकिन हमारी दूसरे देशों पर निर्भरता, वह सबसे बड़ी दुश्मन है। उन्होंने कहा कि सौ चीजों की एक ही दवा है। वह है आत्मनिर्भरत भारत। इसके लिए हमें चुनौतियों से टकराना होगा। भारत को आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने खड़ा होना होगा।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने भारत के सामर्थ्य की अनदेखी की। इस वजह से हमें वो सफलता नहीं मिली, जिसके हम हकदार थे। कांग्रेस ने लाइसेंस कोटा राज में रखा। कांग्रेस ने इंपोर्ट में उलझाए रखा और इसमें हजारों करोड़ के घोटाले किए। कांग्रेस ने देश में जहाज निर्माण पर जोर देने की बजाए विदेशी जहाजों को किराया-भाड़ा देना शुरू किया। इससे हम विदेश पर निर्भर हो गए। 50 साल पहले 40 प्रतिशत व्यापार भारतीय जहाजों पर होता था। वह हिस्सा सिर्फ पांच फीसदी रह गया। हम 95 फीसदी व्यापार के विदेशी जहाजों पर निर्भर हो गए हैं। इससे हमें भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

कई परियोजनों की सौगात

पीएम मोदी ने भारत के समुद्र से समृद्धि के तहत तमाम बड़ी परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। इनमें मुंबई में बना इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल भी शामिल है। मोदी ने कुल 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण किया। कच्छ रन उत्सव के लिए दुनियाभर में जाने गए धोरडो गांव को सोलर विलेज के तौर पर राष्ट्र को समर्पित किया। गुजरात देश का ऐसा राज्य है जिसके पास सबसे लंबी तटीय सीमा है। ऐसे में समुद्र से समृद्धि के अंतर्गत से शुरू हो रहे प्रोजेक्ट काफी अहम माने जा रहे हैं।

चिप और शिप भारत में बनें

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत का जितना डिफेंस बजट हैं। उतना भारत आज विदेशी जहाजों को किराए के तौर पर दे रहा है। हमारे रुपयों से विदेशों में हजारों नौकरियां बनी हैं। अगर पहले की सरकारें यह रुपया शिपिंग इंडस्ट्री में लगाती तो यह रुपये न सिर्फ बचते, बल्कि हमें लाखों रुपये मिल रहे होते। पीएम मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित होना है, तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास आत्मनिर्भर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं। चिप हो या फिर शिप, हमें भारत में बनाने होंगे।

सबसे बड़ा क्रूज टर्मिनल

प्रधानमंत्री ने जिस अत्याधुनिक मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का इनॉगरेशन किया वह देश का सबसे बड़ा क्रूज टर्मिनल है, जिसे 'क्रूज भारत मिशन' के तहत विकसित किया गया है। करीब 4.15 लाख वर्ग फुट में फैला यह टर्मिनल हर साल 10 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। इस टर्मिनल पर एक साथ 5 क्रूज शिप यहां खड़े हो सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें 72 चेक-इन और इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं।

कमजोर हुई बारिश की रफ्तार, वापसी की ओर मानसून

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में तेज बारिश का सिलसिला अब थम सा गया है। जबलपुर और सिवनी जिलों को छोड़कर प्रदेश के किसी भी इलाके में आज सुबह से तेज बरसात नहीं हुई। अब कुछ ही जिलों में पानी गिर रहा है, उसकी गति भी काफी धीमी है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटे तक भारी बारिश जैसे अलर्ट की स्थिति नहीं है। हालांकि कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। राजधानी भोपाल में हल्के बादलों का ढेरा जमा हुआ है, जो रिमझिम बारिश से शहर को तर कर रहे हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक वर्तमान में पूर्वी बिहार और उसके आसपास तथा मराठवाड़ा पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ

राजधानी के कुछ हिस्सों में आज सुबह भी तेज बौछारें पड़ीं।

है। इस चक्रवात से लेकर दक्षिणी उत्तर प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है। अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के असर से बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर से नमी आ रही है। इस वजह से प्रदेश में मामूली वर्षा हो रही है। अगले 4 दिन तक हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है।

फिर शुरू होगा बारिश का दौर

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मानसून की विदाई के दौरान भी पूरे प्रदेश में तेज बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता है। फिलहाल 4 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। इधर मानसून की वापसी भी होने लगी है। आधे राजस्थान से मानसून लौट चुका है। वहीं, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कई जिलों से भी मानसून लौटा है। यदि वापसी ही यही रफ्तार रही तो एमपी के भी कई जिलों में ऐसी स्थिति बन सकती है। मध्यप्रदेश में अब तक औसत 43.2 इंच बारिश हो चुकी है जबकि औसत बारिश 35.8 इंच है। इस हिसाब से 7.4 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। सामान्य बारिश का कोटा पिछले सप्ताह ही पूरा हो गया है।

सीमावर्ती राज्यों पर रहेगा फोकस, सुरक्षा से जुड़े अफसर होंगे शामिल

पीएम के डेमोग्राफी मिशन के लिए बनेगी कमेटी

नईदिल्ली, एजेंसी

अवैध घुसपैठ को लेकर केंद्र सरकार सख्त हो गई है। इसी क्रम में सरकार ने देश में अवैध घुसपैठ से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करने और जरूरी कदम सुझाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए उस भाषण के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने अवैध घुसपैठियों से उत्पन्न खतरों से देश को बचाने के लिए ' डेमोग्राफी मिशन ' शुरू करने की घोषणा की थी। पीएम ने कहा था सुनियोजित साजिश के तहत देश की जनसांख्यिकी बदली जा रही है और ये अवैध घुसपैठिए आदिवासियों को गुमराह कर उनकी जमीनें हड़प रहे हैं। इस सप्ताह असम दौरे पर भी प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि देश में एक डेमोग्राफी मिशन शुरू किया जा रहा है। अध्ययन समिति की संरचना का विवरण अधिसूचना जारी होने के बाद सामने आएगा, लेकिन इसमें सुरक्षा प्रतिष्ठानों और कई राज्यों के अधिकारी शामिल हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि समिति का प्राथमिक फोकस सीमावर्ती राज्यों पर रहेगा। पिछले महीने राजधानी में आयोजित 'वाइब्रेंट विलेजेज' कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा हैं।

मेट्रो एंकर | जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन के लिए अब सुरक्षित नहीं रहा पीओके

ऑपरेशन सिंदूर का खौफ, खैबर पख्तूनख्वा में छिपने की जगह तलाश रहे हैं पाक आतंकी

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और पीओके में छिपे आतंकियों में खौफ का माहौल है। जिस तरह से भारतीय सेना ने पड़ोसी मुल्क में चल रहे टेरर कैंप्स को निशाना बनाया, उससे आतंकवादियों में दहशत है। यही वजह है कि अब वो अपना ठिकाना बदलने को मजबूर हो गए हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठन अब पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में छिपने की जगह ढूंढ रहे हैं।

आतंकी संगठन ये कदम इसलिए उठा रहे क्योंकि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इन संगठनों पर हमला किया था। इससे उन्हें काफी नुकसान हुआ। पहले ये आतंकवादी संगठन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पीओके में ही अपने ठिकाने चला रहे थे। वहां उनके ट्रेनिंग कैंप और भर्ती केंद्र थे। लेकिन भारत ने जिस तरह से एयर स्ट्राइक और ड्रोन हमलों से टेरर कैंप्स को टारगेट किया उसके बाद इन आतंकवादी संगठनों के लिए पीओके सुरक्षित नहीं रहा। ऐसे में वो खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में जाने को मजबूर हो रहे।

सरकार कर रही मदद : सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की सरकार इन आतंकवादी संगठनों की मदद कर रही है। जैश ए मोहम्मद की सभाओं को पुलिस सुरक्षा दे रही है। ये आतंकवादी संगठन उन जगहों पर जा रहे हैं जो अफगानिस्तान युद्ध के समय से ही सुरक्षित ठिकाने रहे हैं। खुफिया सूत्रों ने इस संबंध में कई खुलासे भी किए हैं। बताया गया कि 14 सितंबर को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मानसेहरा जिले में स्थित गढ़ी हबीबुल्लाह शहर में एक भर्ती रैली हुई। इसमें मुफ्ती मसूद इलियास कश्मीरी शामिल था। इलियास भारत में सबसे वांटेड आतंकवादियों में से एक है। खुफिया सूत्रों ने इलियास कश्मीरी के भाषण का विश्लेषण किया है। उन्होंने पाया कि वह ओसामा बिन लादेन की प्रशंसा कर रहा था। इससे पता चलता है कि जैश ए मोहम्मद अब अल कायदा के साथ अपने विचारों को जोड़ना चाहता है। भाषण में, इलियास कश्मीरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने शीर्ष सैन्य कमांडरों को आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का निर्देश दिया था।

नया ट्रेनिंग सेंटर बना रहे आतंकी

जैश ए मोहम्मद 25 सितंबर को पेशावर के मरकज शहीद मकसूदाबाद में एक और बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है। यह कार्यक्रम यूसुफ अजहर की याद में होगा। यूसुफ आतंकी मसूद अजहर का भाई था। वह ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया। हिज्बुल मुजाहिदीन भी खैबर पख्तूनख्वा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वे एचउम 313 नामक नया प्रशिक्षण केंद्र बना रहे हैं। यह केंद्र पूर्व पाकिस्तानी कमांडो खालिद खान के नेतृत्व में बन रहा है। सूत्रों के अनुसार, बांदा क्षेत्र में इसके लिए जमीन पिछले साल अगस्त में खरीदी थी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से निर्माण कार्य में तेजी आई है। इन गतिविधियों से पता चलता है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन भारत के खिलाफ गतिविधियों को जारी रखने नए ठिकाने ढूंढ रहे हैं।

दिल्लीवासियों को जल्द मिलेगी कूड़े के पहाड़ से मुक्ति

नईदिल्ली, एजेंसी

देश की राजधानी से कूड़े का पहाड़ हटाया जाना एक बड़ा मुद्दा रहा है। अब केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसको लेकर आश्वासन दिया है। उनका कहना है कि भलस्वा में जमे 45 लाख मीट्रिक टन कचरे को अगले साल 2 अक्टूबर से पहले साफ कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यहां लैंडफिल साइट पर काम करने वाले कर्मचारियों को पांच हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यही नहीं उनका हेल्थ चेकअप भी कराया जाएगा। खट्टर ने कहा कि बायो रेमेडिएशन के बाद भलस्वा लैंडफिल साइट पर लगभग 25 एकड़ भूमि खाली हुई है। इसमें पांच एकड़ पर तो बैंबू गार्डन यानी बांस का जंगल और 20 एकड़ जमीन पर स्वच्छता से जुड़ी मशीनरी को लगाया गया है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति दिलाने सरकार के संपल्प को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

भारत टॉकीज ओवरब्रिज पर गड्ढे बने मुसीबत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी का व्यस्ततम क्षेत्र भारत टॉकीज ओवरब्रिज इन दिनों गड्ढों के कारण वाहन चालकों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। रोज़ाना हजारों वाहन इस पुल से गुजरते हैं, लेकिन सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों ने सफर को खतरे से भर दिया है। राहगीरों और वाहन चालकों का कहना है कि ओवरब्रिज की हालत लंबे समय से खराब है, लेकिन नगर निगम और संबंधित विभाग मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दे रहे। बारिश के मौसम में स्थिति और भी बिगड़ गई है। पानी भरने से गड्ढे दिखते नहीं, जिसके कारण आए दिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह पुल शहर के प्रमुख मार्गों को जोड़ता है, ऐसे में यहां की सड़क की दुरुस्ती तत्काल होना चाहिए। लोगों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द गड्ढों को भरा जाए और सड़क की मरम्मत कराई जाए, वरना हादसों का खतरा और बढ़ सकता है।

यात्रियों के स्टेशन तक पहुंचने की व्यवस्था पर ठोस योजना का अभाव

भोपाल मेट्रो में लास्ट माइल कनेक्टिविटी की योजना नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में मेट्रो के कमर्शियल रन को शुरू करने के लिए महज अब कम समय बचा है। 15 अक्टूबर की समय सीमा तय है, लेकिन लास्ट माइल कनेक्टिविटी पूरी तरह से गायब है। इसकी योजना अब तक सामने नहीं आ पाई। इसके तहत मेट्रो रेल कारपोरेशन यात्रियों को घर से स्टेशन तक आने और फिर घर जाने तक की सुविधा देता है, लेकिन भोपाल में मौजूदा योजना और स्थिति देखें तो यात्रियों को खुद ही घर से स्टेशन पहुंचने की व्यवस्था करनी होगी। कनेक्टिविटी की योजना नहीं होने की वजह से ही इंदौर में मेट्रो को यात्री नहीं मिल पा रहे हैं और इनकी संख्या हर माह घट रही है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट इंटीग्रेटेड सिस्टम विकसित करने की कवायद की जा रही है। जल्द ही योजना सामने होगी।

अब तक चर्चा नहीं

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के माध्यमों से यात्रियों को मेट्रो स्टेशन तक लाना या यात्री खुद आएंगे, उनसे मेट्रो का जुड़ाव अब तक नहीं हो पाया है। ऑटो से लेकर ई-रिक्शा, आपे व लो-फ्लोर संचालन से जुड़े प्रतिनिधियों की एक बैठक भी नहीं हुई, जिससे पता चले कि यात्रियों के मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने की क्या व्यवस्था की गई है।

यहां लास्ट माइल कनेक्टिविटी

1. दिल्ली मेट्रो ने मेट्रो स्टेशनों से आस-पास के 8 किलोमीटर के दायरे में फीडर सेवा के रूप में ई-ऑटो और ई-रिक्शा (ई-ऑटो) चलाने की योजना शुरू की है। विभिन्न एजेंसियों के साथ साझेदारी की है, ताकि यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकलते ही ऑटो, टैक्सी और बसों जैसे परिवहन के साधन आसानी से उपलब्ध हो सके। यहां कई स्टेशनों पर साइकिल और बाइक शेयरिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे यात्री किराए पर साइकिल लेकर अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं।
2. बेंगलुरु मेट्रो ने भी लास्ट माइल कनेक्टिविटी के तहत कुछ स्टेशनों पर ई-ऑटो सेवाएं शुरू की हैं। इनमें महिलाओं द्वारा संचालित ई-ऑटो भी शामिल हैं। यहां टैक्सी और ऑटो-रिक्शा एग्रीगेटर्स के साथ भी साझेदारी की है ताकि यात्री मेट्रो स्टेशन से सीधे कैब बुक कर सकें। साइकिल शेयरिंग और फीडर बसों की सुविधा भी यहां उपलब्ध है।
3. मुंबई मेट्रो मेट्रो स्टेशनों से बाहर निकलने वाले यात्रियों को बेस्ट बसों, टैक्सी और ऑटो-रिक्शा जैसे परिवहन के अन्य साधन आसानी से उपलब्ध करवा रही है। यात्री मेट्रो से उतरने के बाद आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। विभिन्न परिवहन प्रणालियों को आपस में जोड़ने का प्रयास चल रहा है।
4. कोच्चि मेट्रो ने अपने खुद के ई-फीडर बस सेवाएं शुरू की हैं। आसपास के द्वीपों को इलेक्ट्रिक हाइब्रिड नावों के माध्यम से मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।
5. हैदराबाद मेट्रो ने भी विभिन्न निजी एजेंसियों के साथ साझेदारी की है। यात्रियों के लिए ऑटो, कैब और फीडर बसों जैसी सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं।

सीधे होगा भूमि का अधिग्रहण

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में आ रही जमीन की बाधा को अब तेजी से हटाया जाएगा। सरकार ने 2014 की आपसी खरीद नीति को पूरी तरह दरकिनार कर अब प्रशासन को भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन लेने के निर्देश दिए हैं। भोपाल और इंदौर में इसके लिए काम होगा। भोपाल में इस समय करीब 68 हेक्टेयर जमीन को अधिग्रहण के लिए चिन्हित किया गया है जो इसी माह अधिग्रहण करना है। इसके लिए जुलाई में ही नोटिफिकेशन हो चुके थे। 113 खसरों से ये जमीन निकाली जा रही है। मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अब तेज़ी से आगे बढ़ रही है। पहले भूमि मालिकों की सहमति से जमीन खरीदी जा रही थी, लेकिन अब सरकार ने यह भी तय किया है कि अगर सहमति नहीं बनती है तो एसडीएम के माध्यम से कानूनी प्रक्रिया यानि भूमि अधिग्रहण अधिनियम का उपयोग करके जमीन ली जाएगी। सरकार ने एसडीएम को उन मामलों में तेजी से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है जहां भूमि मालिकों ने अपनी जमीन देने से इनकार कर दिया है। भोपाल और इंदौर मेट्रो परियोजनाओं की लागत अनुमानित लागत से लगभग दोगुनी हो गई है। दोनों शहरों को मिलकर पहले यह 14,485 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 28,958 करोड़ हो गई है।

35 हजार निजी स्कूलों में से केवल 10 हजार ने ही दिया फीस का विवरण

मप्र विद्यालय अधिनियम के तहत फीस की जानकारी देना अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के करीब 35,000 निजी स्कूलों में से केवल 10,200 ने ही स्कूल शिक्षा विभाग के निर्धारित पोर्टल पर अपनी विस्तृत फीस का विवरण अपलोड किया है। यह स्थिति तब है जब मप्र विद्यालय अधिनियम, 2017 के तहत सभी स्कूलों को लिए फीस का विवरण देना अनिवार्य कर दिया गया है।

नियमानुसार जो निजी स्कूल प्रति कक्षा 25,000 रुपए से अधिक वार्षिक शुल्क लेते हैं, उन्हें ट्यूशन, परिवहन, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और सुरक्षा निधि जमा जैसे विभिन्न मदों के अंतर्गत ली जाने वाली कक्षावार और स्ट्रीमवार फीस का विवरण अपलोड करना अनिवार्य है। 25,000 रुपए या उससे कम वार्षिक शुल्क लेने वाले स्कूलों को विस्तृत फीस डेटा अपलोड करने से छूट दी गई है। हालांकि, उन्हें भी निर्धारित समय सीमा तक पोर्टल पर एक हलफनामा दाखिल करना होगा।

इसे टाल नहीं सकते

अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा वह चीज नहीं है जिसे कम कर दें या या टाल दें। यह किसी खरीदारी को टालने या छुट्टी रद्द करने जैसा नहीं है। घर की वित्तीय स्थिति कितनी भी तंग क्यों न हो, फीस तो देना ही है। कलेक्टर को कार्रवाई का अधिकार निजी स्कूलों की फीस संबंधी समिति का कलेक्टर के नेतृत्व में बनायी गयी है। नियमों का अनुपालन न करने वाले स्कूलों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार कलेक्टर को दिया गया है।

यह है नियम

नियमानुसार स्कूलों को छात्रों को विशिष्ट दुकानों से यूनिफॉर्म, पुस्तकें या अन्य वस्तुएं खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। स्कूलों को फीस और खर्चों का पूरा विवरण, स्टेशनरी, पठन सामग्री, बैग, यूनिफॉर्म, खेल किट और परिवहन सुविधाओं आदि के बारे में स्कूल के नोटिस बोर्ड और अपनी आधिकारिक वेबसाइट दोनों पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है। साथ ही आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए प्रस्तावित कक्षा-वार, मदवार शुल्क संरचना विभाग के शुल्क विनियमन पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

2022 से 2025 के बीच का फर्क

- एक नेशनल सर्वे के अनुसार 2022 से 2025 के बीच बच्चों की फीस में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है।
- 44 प्रतिशत ने कहा-50 से 80 फीसदी का इजाफा।
- 8 प्रतिशत ने कहा-80 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी।
- 13 फीसदी ने कहा कोई बढ़ोतरी नहीं हुई।

राजधानी में बन रहे नए पार्क के कार्य में तेजी लाने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो. महापौर मालती राय ने रविवार को आम्रपाली इनक्लेव के पास बन रहे नए पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। इस दौरान महापौर ने निर्देश दिए कि पार्क का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा यह पार्क आम जनता के लिए एक बड़ी सुविधा बनेगा, इसलिए निर्माण में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

दिन में घरों के भीतर और रात में कृत्रिम रोशनी में सक्रिय एडीज मच्छर

फॉगिंग में उड़ाए लाखों, फिर भी डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एडीज जनित वायरल बीमारियां (एबीवीडी) बीमारियां पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार अब भी फॉगिंग को ही सबसे बड़ा हथियार के रूप में उपयोग कर रही है। इस पर लाखों रुपए खर्च हो रहे हैं। फिर भी मच्छरों पर कोई असर नहीं हो रहा है। एडीज मच्छर राजधानी सहित प्रदेशभर में लोगों को मलेरियां, डेंगू व चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैला रहा हैं। वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि यह तरीका बेहद कम असर करता है। राष्ट्रीय एजेंसियां भी फॉगिंग को नियमित उपाय मानने से इनकार करती हैं। वहीं केन्द्रीय एजेंसियों के उलट मलेरिया अधिकारी का दावा है कि मलेरिया, डेंगू और चिगनगुनिया बीमारी फैलाने वाले मच्छरों को मारने में फॉगिंग कारगर होते हैं। इस लिए हम बाहर और भीतर फॉगिंग करते हैं। हम लार्वा नष्ट करके मच्छरों की उप्पति रोकने और लोगों में लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चला रहे हैं। इसका हमे फायदे भी मिले हैं। इस साल बीमारियां कम हुई है।

असली उपाय-पानी जमा न होने देना

विशेषज्ञों का कहना है कि घर और आसपास में पानी जमा नहीं होने देना ही इन बीमारी रोकने का असली तरीका है। कूलर, टंकी, गमले और छत पर रखे बर्तनों की सफाई सबसे अधिक जरूरी है। सामुदायिक जागरुकता और मोहल्लों में निगरानी ही इस खतरे से बचाव का टिकाऊ उपाय है। विशषज्ञों के अनुसार एडीज मच्छर मानव परिवेश में आसानी से ढल जाता है। यह दिन के समय घर में और रात में कृत्रिम रोशनी में भी सक्रिय रहता है। ऐसे में बाहरी फॉगिंग, वेपोराइतजर और मच्छरदानी जैसे पारंपरिक उपाय बेअसर साबित हो रहे हैं। वर्ष 2025 में मलेरियां के 10, डेंगू के 73 और चिकनगुनिया के 61 मामले सामने आए हैं।

2 लाख से अधिक घरों में सर्वे

जानकारी के अनुसार जनवरी से अब तक लगभग 2 लाख घरों का सर्वे किया जा चुका है, जिनमें से 6 हजार से अधिक घरों में लार्वा मिला है। वर्तमान में 44 से ज्यादा टीमें लार्वा खोजने और नष्ट करने के कार्य में लगी हुई हैं। यदि जरूरत पड़ी तो समीक्षा कर टीमों की संख्या भी बढ़ाने की भी तैयारी विभाग कर रहा है। जिले की मलेरिया टीम के काम की समीक्षा की जा रही है। नगर निगम के साथ मिलकर डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

दवा के आदि हो चुके हैं मच्छर

विशेषज्ञों का कहना है कि छिड़काव और फॉगिंग के दवा के सही इस्तेमाल का तरीका कोई नहीं जानता। दवा और पानी के मिश्रण को सही अनुपात में होना जरूरी है। कर्मचारी कभी ज्यादा तो कभी दवा मिला देते हैं। इस तरह के उपयोग से दवा का असर कम होता है और मच्छर दवा के आदि हो जाते हैं। कई बार शिकायत मिलती है कि जहां दवा का छिड़काव किया जाता है, थोड़ी देर बाद वहां मच्छर बैठ जाते हैं।

भाषा की अवहेलना और उसे विस्मृत कर विदेशी भाषा सीखना चिंताजनक - डॉ. सत्यम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाषा कोई भी बुरी नहीं होती लेकिन अपनी भाषा की अवहेलना और उसे विस्मृत करना बहुत चिंता की बात है। हिंदी एक समृद्ध भाषा है इसने अनेक भाषाओं और बोलियों को आत्मसात किया है। यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ .सत्यम के जो दक्ष स्किल इंडिया सेंटर एवं लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित 'निज भाषा उन्नति' है के अंतर्गत आयोजित ऑन लाइन राजभाषा पखबाड़े में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोल रहे थे , इस अवसर पर अन्य दूसरे अतिथि श्रीमती माला बर्मा ने वक्ता के रूप में बोलते हुए ने कहा कि - हिंदी एक सहज सरल भाषा है पर्यटन के क्षेत्र में हिंदी के साथ स्थानीय बोलियों को भी प्राथमिकता दी जाए ,भाषा के साथ उन्होंने अपनी वेशभूषा,संस्कार और संस्कृति के पर्यटन पर पड़ने वाले अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम के आरम्भ में स्वागत उद्बोधन डॉ गिरजेश सक्सेना ने दिया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ ममता माली एवं चित्रा राघव राणा ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार लघुकथा शोध केंद्र समिति की और से सुनीता प्रकाश ने प्रकट किया।

गोल्डन आवर के भीतर उपचार करने का प्रावधान

भोपाल. हमीदिया ने हार्ट अटैक के मरीज को बचाने के लिए नया प्रोटोकॉल बनाया गया है। अस्पताल में अत्याधुनिक कैथलैब के शुरू होने के साथ ही इसे लागू किया जाएगा। नए प्रोटोकॉल में हार्ट अटैक आने के बाद पहले दो घंटे में मरीज का उपचार शुरू करने के नियम का पालन होगा। मरीज का जीवन बचाने के लिए यह अवधि बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। एकअक्टूबर से कैथलैब का ट्रॉयल होगा और नए प्रोटोकॉल के अनुरूप इमरजेंसी और कार्डियोलॉजी विभाग के कर्मियों को गोल्डन आवर मैनेजमेंट और नया प्रोटोकॉल प्रशिक्षिण भी दिया जाएगा। नई कैथलैब के शुरू होने पर हार्ट अटैक के मरीजों को बचाने के लिए हम उपचार का 90 प्लस-माइनस 30 मिनट प्रोटोकॉल का पालन करेंगे।

मेट्रो एंकर जगदीश कौशल का दीर्घायु कामना महोत्सव, वरिष्ठ साहित्यकार हुए शामिल

सकारात्मकता की प्रेरक मिसाल है जीवन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ छायाकार जगदीश कौशल सक्रियता और सकारात्मकता की प्रेरक मिसाल हैं। वे जब भी मुझे मिलते हैं मैं उनसे एक ही बात कहता हूं जवानी जिंदाबाद। यह उद्गार हैं निदेशक माधवराव सप्रे संग्रहालय पद्मश्री विजयदत्त ने व्यक्त किये। वे दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में वरिष्ठ छायाकार जगदीश कौशल के 93वें जन्मदिवस के अवसर पर दीर्घायु कामना महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

इसके बाद दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने कौशल जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए स्वागत वक्तव्य दिया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम सक्सेना ने कौशल जी के साथ बिताए यादगार पलों। को जीवन की अमूल्य निधि बताया। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा ने कहा कि कौशल जी प्रगतिशील मूल्यों

के पक्षधर होकर भी राष्ट्रीयता के बोध से संपृक्त हैं, और ऐसे प्रगतिशील पर कोटि कोटि राष्ट्रवादी न्यौछावर किए जा सकते हैं। आयोजन में वरिष्ठ पत्रकार आलोक अवस्थी ने कहा कि हमारा लंबे समय से जगदीश कौशल का साथ रहा है वह हमेशा से अपने काम के प्रति समर्पित और आनंद से भरा हुआ जीवन जीने वाले व्यक्तित्व के स्वामी रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुधीर सक्सेना एवं जयराम शुक्ल ने भी कौशल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें साझा की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। इस अवसर पर जगदीश कौशल जी के व्यक्तित्व कृतित्व पर संपादक शैलेंद्र शैली की पत्रिका राग भोपाली के अंक का लोकार्पण किया।

मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में हुई सुरमई सांस्कृतिक संध्या

भोपाल। मध्यप्रदेश संस्कृति एवं पर्यटन विभाग और आवासीय आयुक्त कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली के सभागार में सुरमई सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। इसमें प्रदेश के सुमधुर लोक सुरों की चतुर्थ प्रस्तुति में निमाड़ी लोक गायन पूर्णिमा चतुर्वेदी और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। लोकगीतों के माध्यम से मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति विशेषकर निमाड़ी लोक गायन के माध्यम से निमाड़ अंचल की संस्कृति का लोकगीतों द्वारा वर्णन किया। लोकगीतों के माध्यम से नर्मदा मैया की महिमा के पास स्वच्छता रखने का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त निमाड़ की संस्कृति लोक कला, त्यौहार, शादी-ब्याह, नंद-भोजाई की नोक-झोंक और अतिथियों का स्वागत-सत्कार लोकगीतों के माध्यम से सुनाया गया।

इंदौर ट्रक हादसे की एफआईआर पर उठाए सवाल

पूर्व मंत्री उषा ठाकुर ने ट्रक हादसे को बताया साजिश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

इंदौर में ट्रक हादसे को पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक उषा ठाकुर ने षड्यंत्र बताया है। उन्होंने इस मामले में दर्ज की गई एफआईआर पर भी सवाल उठाए। पूर्व मंत्री ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से प्रार्थना करेंगी। इस मामले में जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई होना चाहिए। साथ ही ट्रक ड्राइवर और मालिक को मृत्युदंड मिलना चाहिए।

बता दें कि इंदौर में सोमवार (15 सितंबर) की शाम को एयरपोर्ट रोड पर एक ट्रक ने रामचंद्र नगर चौराहे से लेकर बड़ा गणपति चौराहे तक करीब 25 लोगों को कुचल दिया था। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। जबकि करीब 18 लोग घायल हो गए थे।

बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री उषा ठाकुर का कहना है कि कोई इतना क्रूर और लापरवाह कैसे हो सकता है। एक आदमी गाड़ी में फंस गया है, आग लग गई है और चालक को होश ही नहीं है। कई बार मन में शक होता है कि यह कोई सुनियोजित षड्यंत्र तो नहीं है। क्योंकि ऐसी घटनाएं पूरे विश्व में कम से कम 8 से 9 बार हुई हैं।

उषा ठाकुर ने कहा कि इस मामले में जो साधारण धाराएं लगी हैं, उस पर मेरी घोर आपत्ति है। मैं एसीएस महोदय और मुख्यमंत्री से इसके लिए प्रार्थना करने वाली हूं। इस ट्रक के मालिक पर भी एफआईआर दर्ज होना चाहिए। वहीं, ऐसे ड्राइवर जिन पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और नशा करते हैं, उन सबके लाइसेंस रद्द होना चाहिए। क्योंकि यह तो सीधे चलते-फिरते यमदूत बनकर संदेश लेकर आते हैं। कोई नियंत्रण ही नहीं है। यह घटना बहुत ही हृदय विदारक है। जिम्मेदारों पर भी सख्त कार्रवाई होना चाहिए। इंदौर एयरपोर्ट रोड पर तीन लोगों की मौत और करीब डेढ़ दर्जन लोगों को घायल करने वाले शराबी ट्रक ड्राइवर और उसके हेल्पर के खिलाफ एक और मामला दर्ज हुआ है।

भोपाल के हथाईखेड़ा में एक और जमीन विवाद

हिन्दू श्मशान पर कब्जे की शिकायत एसडीएम ने 23 तक मांगें दस्तावेज

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल में सरकारी जमीनों पर कब्जे के 2 बड़े मामलों के बीच एक और जमीन विवाद सामने आया है। हथाईखेड़ा स्थित हिन्दू श्मशान पर कब्जा किए जाने की शिकायत गोविंदपुरा एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव से की गई है। इस मामले में एसडीएम ने दोनों पक्षों को दस्तावेज समेत तलब किया है।

23 सितंबर को दोनों पक्ष अपने-अपने दस्तावेज एसडीएम के सामने पेश करेंगे। एसडीएम ने अपने आदेश में साफ कहा है कि संपत्ति पर वास्तविक कब्जे के संबंध में अपना दावा, दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह है मामला

हरिओम शर्मा ने एसडीएम को आवेदन दिया था। जिसमें बताया था कि हथाईखेड़ा सिविल अस्पताल से लगी जमीन खसरा नंबर-45 पर मुगारिक मियां ने अवैध ढांचा बनाकर एवं वक्फ बोर्ड अंकित कर कब्रिस्तान का बोर्ड लगा दिया।

अवैध कब्जे की जांच करने के लिए टीम बनाई

इधर, हथाईखेड़ा अस्पताल के पास सरकारी जमीन पर टीन शेड का निर्माण, दुकान आदि बनाने की शिकायत के बाद एक राजस्व निरीक्षक और चार पटवारियों को जांच सौंपी गई है। राजस्व निरीक्षक जगदीश पटेल, पटवारी सुरेंद्रप्रताप सिंह यादव, आशीष मिश्रा, महेश राजन और विमलेश गुप्ता को जांच देने को कहा गया है।

15 अगस्त-25 से अब तक तीन शव भी दफना दिए, जबकि खसरा नंबर-45 के आसपास सिर्फ हिंदू, बौद्ध और सिख परिवार ही निवास करते हैं। उक्त खसरा शासकीय एवं हिंदू बच्चों को दफनाने का कब्रिस्तान है। दूसरी ओर, अनंतपुरा में मुस्लिम परिवार निवास करते हैं। वे खसरा नंबर-110 में शव दफनाते हैं।

अनंतपुरा कोकता में सरकारी जमीन का मामला

सीमांकन पर स्टे लगाने की मांग पर राहत नहीं, 36 को दिए थे नोटिस

भोपाल। भोपाल के अनंतपुरा कोकता स्थित डायमंड सिटी समेत जिन 36 लोगों को गोविंदपुरा तहसीलदार सौरभ वर्मा ने नोटिस दिए थे, उन्होंने हाईकोर्ट में सीमांकन पर स्टे लगाने की मांग की थी। इस पर कोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली है।

अब जिला प्रशासन आगे की कार्रवाई करेगा। इस मामले में मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 129(5) के अनुसार आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई थी। दरअसल, कुल 36 लोग गोविंदपुरा तहसीलदार वर्मा को अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए गए थे। तहसीलदार वर्मा ने इन्हें नोटिस जारी किए थे। यदि प्रशासन जवाब से संतुष्ट नहीं होता है तो कब्जे को हटाने की कार्रवाई होगी। सबसे पहले कमर्शियल प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलेगा।

इन्हें दिए गए थे नोटिस

छोटेलाल, बलवीर मेहरा, शुभम राय, ममता मिश्रा, शिवांक स्वामी, आरएस परिहार, रेखा कात्यवार, तेजपाल सिंह राजपूत, राहुल साहू, उमाशंकर, कमलेश, भरत लोधी, नर्बदा प्रसाद, धीरज सिंह चौहान, सुशीला लोधी, रिजवान मोहम्मद, अजय गुप्ता, शर्मिला ठाकरे, रामकृष्ण खांडवे, अमिताभ वर्मा, आशु वर्मा, अवधनारायण मालवीय, निर्भय सिंह, बद्रीप्रसाद, संतोष, विनोद साहू, प्रमोद साहू, विजीत पाटनी, निशंक जैन, देवेंद्र लोधी, उषा सिन्हा, शावेज अहमद, सोहेल अहमद, शावर अहमद, शारिक अहमद, तारिक अहमद, शफीक अहमद और अनुज साहू।

ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुए होमबाउंड

सीएम बोले- यह प्रदेश के लिए गौरव की बात, राजधानी में हुई फिल्म की पूरी शूटिंग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा मंच पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। वैश्विक स्तर पर सराही गई फिल्म लापता लेडीज के बाद, अब राज्य में शूट हुई फीचर फिल्म होमबाउंड को 98वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर 2026) की बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चयनित किया गया है। गतवर्ष फिल्म लापता लेडीज को भी ऑस्कर के लिए नॉमिनेट किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश में शूट हुई फिल्म होमबाउंड को ऑस्कर के लिए चुना गया है। यह न केवल फिल्म जगत के लिए, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए एक अभूतपूर्व गौरव का क्षण है। मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति-2025 ने सिंगल विंडो सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रिया और अनुमतियों को कम एवं सरल कर फिल्मांकन को आसान बनाया है। साथ

युवाओं के लिए बनेगी प्रेरणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के उन सभी युवा फिल्म निर्माताओं के लिए प्रेरणा बनेगी जो अपने सपनों को पंख देना चाहते हैं। फिल्म होमबाउंड का चयन भारतीय सिनेमा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है, जो मध्यप्रदेश की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि होमबाउंड ऑस्कर में भी शानदार सफलता हासिल करेगी और भारत के साथ मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेगी।

राज्यपाल ने दी ब्लाइंड क्रिकेट टीम की लड़कियों को शुभकामनाएं

सीएबीएमपी की बेटियां करेंगी विश्व के पटल पर भारत का नाम रोशन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश का राजभवन एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना। यहां मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल से क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर CABMP के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा, सचिव सोनू गोलकर तथा प्रदेश की तीन प्रतिभाशाली महिला ब्लाइंड क्रिकेटर्स, जिनका चयन आगामी प्रथम महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्वकप हेतु हुआ है, ने अपनी उपलब्धि पर आशीर्वाद

एवं शुभकामनाएं प्राप्त कीं।

महामहिम राज्यपाल ने तीनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आपकी यह उपलब्धि केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत देश के लिए गर्व की बात है। आपने यह साबित किया है कि कठिनाइयाँ कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं। आप जैसी बेटियां समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।÷

उन्होंने कहा कि CABMP की महिला क्रिकेट टीम प्रदेश की नारी शक्ति, साहस और खेल भावना का जीवंत उदाहरण है। इन खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया है कि सीमाएँ केवल मानसिक होती हैं, और मेहनत तथा आत्मविश्वास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इन तीनों खिलाड़ियों का चयन न केवल खेल जगत बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

नगर की सड़कों से विकास को मिलेगी रफ्तार, इंफ्रास्ट्रक्चर पर आयोजित हुई कार्यशाला

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि नगरीय क्षेत्र की सड़कों से विकास को रफ्तार मिलती है और इसके लिये जरूरी है कि सड़के गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों से जुड़े हुए इंजीनियरों की जवाबदारी है कि वे सड़कों के निर्माण और संधारण पर पूरा ध्यान रखें। आयुक्त भोंडवे आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में सस्टेनेबल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर विषय पर हुई कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि प्रदेश में करीब ढाई करोड़ की आबादी शहरी क्षेत्र में रहती है। शहरी क्षेत्र की सड़कों पर यातायात का दबाब काफी है। इन सड़कों पर नगरीय क्षेत्र की अन्य अधोसंरचनाओं का भी प्रभाव पड़ता है।

जीएसटी में कमी से सांची के दुग्ध उत्पाद हुए सस्ते, नए रेट से 22 सितं. से प्रभावशील

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध 06 सहकारी दुग्ध संघ यथा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, बुंदेलखण्ड (सागर), जबलपुर और ग्वालियर में जीएसटी संशोधन के कारण सांची दुग्ध उत्पादों के उपभोक्ता दरों में सोमवार 22 सितम्बर 2025 से कमी करते हुए विक्रय किए जाने का निर्णय लिया गया है। ताकि सांची दुग्ध उत्पादों पर प्रभावशील जीएसटी दरों में कमी होने से उसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं को मिल सके।

उपभोक्ताओं ने खुशियां व्यक्त करते हुए कहा कि सांची दुग्ध उत्पादों के बिक्रय

दरों में कमी होने से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी।

सांची के विभिन्न दुग्ध उत्पादों पर प्रभावशील जीएसटी में संशोधन होने पर 22 सितंबर 2025 से विभिन्न पैक में सांची पनीर, घी, टेबिल बटर एवं आईसक्रीम की दरों में कमी की गई है। उदाहरण के तौर पर समझे को सांची पनीर एक किग्रा. जिसकी वर्तमान उपभोक्ता दर 380 रूपए 5 प्रतिशत जीएसटी सहित है, अब जीएसटी शून्य होने पर उपभोक्ता दर 362 रूपए होगी। अर्थात पनीर 18 रूपए किलो सस्ता मिलेगा। इसी प्रकार सांची घी एक किग्रा. की वर्तमान उपभोक्ता दर 630 रूपए 12 प्रतिशत जीएसटी सहित है, अब जीएसटी 5 प्रतिशत होने से उपभोक्ता दर 590 रूपए होगी। अर्थात घी 40 रूपए सस्ता मिलेगा।

इसी प्रकार सांची टेबिल बटर पर जीएसटी में 7 प्रतिशत की कमी तथा सांची आइक्रीम पर जीएसटी में 13 प्रतिशत की कमी का भी पूरा लाभ सीधे सीधे उपभोक्ताओं को मिलेगा।

नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने किसान कृषि यंत्रों का करें उपयोग : कंषाना

भोपाल । किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि किसान भाई नरवाई से जुड़े सभी कृषि यंत्रों का उपयोग करें, जिससे प्रदेश में फसल अवशेष जलाने की घटनाएँ नियंत्रित हो सकें। उन्होंने भोपाल में आयोजित फसल अवशेष प्रबंधन पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को नियंत्रित कर वायु प्रदूषण कम किया जा सकता है। मृदा में कार्बनिक पदार्थ बढ़ाने से फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है। प्रदेश में किसानों को समझाईश देकर उत्पादन लागत कम कर आय बढ़ाने का कार्य चल रहा है। फसल अवशेषों का समुचित उपयोग कर कृषकों की अतिरिक्त आय के विकल्प उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर

आरजीपीवी-एलएंडटी एजूटेक की साझेदारी से तैयार होंगे इंडस्ट्री-रेडी इंजीनियर्स

नवाचारों के हब बनेंगे टियर-2 शहर, मजबूत होगा औद्योगिक ईकोसिस्टम

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के तकनीकी संस्थानों से तैयार होने वाले मानव संसाधन और उद्योगों के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल के बीच की खाई पाटने के लिये निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी), राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) और एलएंडटी एजूटेक के बीच एक एमओयू किया गया है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद अब तकनीकी कौशल और औद्योगिक प्रशिक्षण में नवाचार की दृष्टि से एलएंडटी द्वारा विकसित विशेष पाठ्यक्रम आरजीपीवी के माध्यम से प्रदेश के इंजीनियरिंग संस्थानों में लाँच किये जा रहे हैं। इससे आने वाले वर्षों में प्रदेश में औद्योगिक-ईकोसिस्टम सशक्त बनेगा। साथ ही भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे टियर-2 शहर नवाचार के नए केंद्र बनेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विगत वर्षों में प्रदेश के विश्वविद्यालयीन पाठ्यक्रमों को उद्योग की वास्तविक मांगों से जोड़कर इंड्स्ट्री-रेडी इंजीनियर तैयार करने की पहल की गई है। प्रदेश में प्रति वर्ष 50 हजार से अधिक इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी स्नातक नौकरी बाजार में आ रहे हैं। अकादमिक-औद्योगिक तालमेल को आवश्यक मानते हुए एलएंडटी एजूटेक द्वारा विशेष रूप से विकसित पायलट पाठ्यक्रम आरजीपीवी के माध्यम से लाँच किये गये हैं।

इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत तकनीकी मानव संसाधनों को वास्तविक परियोजनाओं, वर्चुअल लैब और इंडस्ट्री-लीडरशिप एनेबल्ड सत्रों के माध्यम से सक्षम बनाया जा रहा है। आरजीपीवी के कुलगुरू प्रो. राजीव त्रिपाठी, एमपीएसईडीसी, निवेश संवर्धन प्रभारी अवंतिका वर्मा और एलएंडटी एजूटेक टीम लीड राजा पांचाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये है। एलएंडटी एजुटेक तकनीकी और शैक्षणिक सामग्री तथा ट्रेनर-सपोर्ट प्रदान करेगी, आरजीपीवी अकादमिक समन्वय एवं विद्यार्थी चयन में भूमिका निभाएगा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग वित्तीय व तकनीकी व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेगा।

एलएंडटी एजूटेक आरजीपीवी में दो पायलट कोर्स करेगी शुरू

एलएंडटी एजूटेक आरजीपीवी में दो पायलट कोर्स आरम्भ करेगी जो पांचवें सेमेस्टर से पढ़ाये जाएंगे। इनमें 'डेटा हैंडलिंग के लिए पायथन' और फ्रंट-एंड यूआई/यूएक्स शामिल हैं। एलएंडटी एजूटेक के पायलट पाठ्यक्रम के प्रारम्भिक बैच में 100 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। पाठ्यक्रम में 75 घंटे का संरचित कार्यक्रम शामिल होगा। विद्यार्थियों को 'ऑनलाइन कंटेंट + लाइव एक्सपर्ट सेशंस + प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग + वर्चुअल लैब' से प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले पात्र विद्यार्थियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। पाठ्यक्रम में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण से विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक अनुभव बढ़ाया जायेगा। प्रारंभिक बैच में आरजीपीवी में चयनित विद्यार्थियों को शामिल किया जायेगा। फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप, इंडस्ट्री-इंटर्नशिप मॅचमेकिंग, एडवांस्ड स्पेशलाइजेशन मॉड्यूल और राज्यस्तरीय रोलआउट टाइमलाइन।

हितों पर चोट

अमेरिका ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को प्रतिबंधों से दी गई छूट वापस ले ली है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर अधिकतम दबाव बनाना चाहता है, लेकिन इससे भारत को भी बड़ा झटका लगेगा। 50% टैरिफ के बाद अमेरिका का यह एक और कदम है, जिससे भारतीय हितों को चोट पहुंचेगी।

भारत का निवेशः ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता संभालने के साथ ही चाबहार को मिली छूट खत्म करने के एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए थे। अब इसे 29 सितंबर से लागू करने का आदेश जारी हुआ है। इसके बाद अगर कोई कंपनी या संस्था चाबहार के संचालन में शामिल होती है, तो उस पर भी अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। भारत इस पोर्ट पर अरबों रुपये का निवेश कर चुका है और यहां एक टर्मिनल बना रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से उसके लिए यहां काम करना मुश्किल हो सकता है।

रूस जैसा मामला- यह विडंबना है कि डॉनल्ड ट्रंप भारत और पीएम नरेंद्र मोदी को दोस्त बता रहे हैं, लेकिन उनकी नीतियां नई दिल्ली के खिलाफ जा रही हैं। चाबहार मामला बहुत कुछ रूसी तेल जैसा है। जब यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए रूस पर अमेरिका दबाव नहीं बना पाया, तो उसने तेल के व्यापार पर दोष डालना शुरू कर दिया। यही कहानी ईरान के साथ है। पिछले दिनों इस्राइल-ईरान टकराव और उसमें अमेरिकी दखल के बावजूद तेहरान झुकने को तैयार नहीं हुआ था, तो अब मैक्सिमम प्रेशर की बात कही जा रही है।

पोर्ट का रणनीतिक महत्व- भारत के लिए चाबहार बंदरगाह की अहमियत व्यापार से अधिक रणनीतिक है। यह पोर्ट उसे पाकिस्तान को बाईपास कर सीधे अफगानिस्तान, मध्य एशिया तक पहुंच देता है। साल 2023 में पहली बार उसने इस रूट का इस्तेमाल कर अफगानिस्तान को गेहूं भिजवाया था। चाबहार उस इंटरनैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का अहम हिस्सा है, जिसकी शुरुआत भारत, रूस और ईरान ने मिलकर की थी। सड़क और रेल नेटवर्क से जोड़ दिया जाए, तो यह कॉरिडोर सीधे यूरोप तक आसान, सस्ता और छोटा रास्ता देता है।

चीन का फायदा- चाबहार पर बैन भारत या ईरान नहीं, आगे चलकर अमेरिका पर भी असर डाल सकता है। इस पोर्ट को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है, जो चीन के महत्वाकांक्षी BRI प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। इस क्षेत्र से भारत हटा, तो सीधा फायदा चीन को होगा। वॉशिंगटन की वजह से पेइचिंग को रणनीतिक-व्यापारिक बढ़त मिल जाएगी। यह ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की सबसे बड़ी खामी कही जाएगी कि विरोधियों पर पकड़ बनाने की उसकी हर कोशिश दोस्तों को नुकसान पहुंचाती है।

सुविचार

यात्रा व्यक्ति को विनम्र बनाती है। आप देखते हैं कि दुनिया में आपका स्थान कितना छोटा है।
-गुस्ताव फ़्लॉबेयर

निशाना

बोनसाई वो नहीं..!

राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल

वह जिन्हें नहीं भायी
अपने अतिरिक्त किसी
ओर की ऊँचाई
उन्हीं ने नीम, पीपल और बरगद जैसे
विशाल वृक्षों को
सजा रखा अपने घरों में
बनाकर बोनसाई ।
बोनसाई बनाई
घरों में सजाई
आगंतुकों से प्रशंसा पाई
मन में खुशी छाई
लेकिन, मेरे भाई
किसी ओर की खुशी की ख़ातिर
खुद को छोटा बना लेने की
शिक्षा फिर भी नहीं पाई ।
वृक्ष नहीं आप हुए बौने
यानि वो नहीं आप बोनसाई।

आज का इतिहास

- 1066 नॉर्वे के राजा हैराल्ड तृतीय और उनके इंग्लैंड के टॉस्टिग गोडविंसन ने यॉर्क, इंग्लैंड के पास फुलफोर्ड की लड़ाई में उत्तरी अर्लस एडविन और मोरकर को लड़ा और हराया।
- 1260 बाल्ट्स के प्रूसिएन्ट्रिब द्वारा दो प्रमुख प्रशियाई विद्रोहियों में से दूसरा टेउटोनिक शूरवीरों के खिलाफ शुरू हुआ।
- 1498 Meio Nankaido भूकंप के कारण आई सूनामी ने जापान के कामाकुरा में कोटकु-इन में महान बुद्ध की प्रतिमा बनाने वाली इमारत को निकाल दिया।
- 1697 राइन्सविक की संधि पर फ्रांस और ग्रैंडअलांस के बीच हस्ताक्षर किए गए थे, जो नौ साल के युद्ध को समाप्त कर रहे थे।
- 1797 बोस्टन में यूएस फ्रिगेट संविधान (ओल्ड इरोनसाइड्स) लॉन्च किया गया।
- 1803 आयरिश विद्रोही रॉबर्ट एम्मेट को निष्पादित किया गया।
- 1819 कार्ल्सबैड डिक्रस जर्मन परिसंघ भर में जारी किए गए।
- 1831 भाप से चलने वाली पहली बस बनाई गयी। 30 लोगों की क्षमता तथा अत्यंत धीमी गति से चलने वाली इस बस के अविष्कारक गोर्डन ब्रान्ज़ थे।
- 1839 नीदरलैंड के पहले रेल मार्ग एम्सटरडम से हार्लेम का उद्घाटन हुआ।
- 1848 विज्ञान की प्रगति के लिए अमेरिकन एसोसिएशन बनाया गया।
- 1867 ऑस्ट्रिया में हंग्री के विलय के पश्चात फ्रांसवा जोज़फ औपचारिक रुप से ऑस्ट्रिया हंग्री के सम्राट बने।
- 1881 चेस्टर ए आर्थर ने 21 वे राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की।

अवैध धर्मांतरण पर राजस्थान का ऐतिहासिक कानून

विनोद बंसल
राष्ट्रीय प्रवक्ता, विश्व हिन्दू परिषद

राजस्थान विधानसभा में पारित राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 को समाज के व्यापक वर्गों ने स्वागत योग्य और ऐतिहासिक बताया है। यह विधेयक न केवल अवैध धर्मांतरण पर सख्त अंकुश लगाने वाला है, बल्कि भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता की रक्षा का सशक्त साधन भी बनेगा। लंबे समय से समाज में यह मांग उठ रही थी कि धर्म की स्वतंत्रता के नाम पर चल रहे सुनियोजित षड्यंत्रों पर लगाम कसने के लिए कठोर कानून बनाया जाए। राजस्थान ने इस दिशा में जो कदम उठाया है, वह देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बनेगा।

विधेयक की पृष्ठभूमिः भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। यहाँ हर नागरिक को अपनी आस्था और पूजा-पद्धति का पालन करने की स्वतंत्रता है। किंतु यह स्वतंत्रता तभी तक सार्थक है जब तक इसका दुरुपयोग न हो। विगत कुछ दशकों में कई बार यह देखने को मिला कि समाज के वंचित वर्गों विशेषकर नाबालिगों, महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति और गरीबों को लालच, प्रलोभन, छल या दबाव के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया गया। इस्लाम और ईसाइयत इसके केंद्र में है, यह आरोप और साक्ष्य बार बार सामने आते रहे हैं। वहीं, विदेशी फंडिंग से चलने वाले संगठनों पर भी ऐसी गतिविधियों के आरोप लगते रहे हैं। राजस्थान जैसे सीमावर्ती और जनजातीय इलाकों वाले राज्य में यह समस्या और अधिक गंभीर रूप ले चुकी थी। परिणामस्वरूप जनभावनाएँ बार-बार कठोर कानून की मांग कर रही थीं। फरवरी 2025 में प्रस्तुत प्रारंभिक विधेयक की तुलना में वर्तमान संस्करण कहीं अधिक कठोर और प्रभावी है।

कठोर दंड का प्रावधानः इस विधेयक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें धर्मांतरण कराने वालों को अब हल्की सजाओं के बजाय कठोरतम दंड भुगतना होगा। जबरन, धोखे या लालच से कराए गए धर्मांतरण पर सात से चौदह वर्ष तक की कैद और पाँच लाख रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया है। नाबालिग, महिला, अनुसूचित जाति/जनजाति और दिव्यांगजनों का धर्मांतरण कराने पर दस से बीस वर्ष की कैद और दस लाख रुपये तक जुर्माना लगेगा। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में बीस वर्ष से आजीवन कारावास तथा न्यूनतम पच्चीस लाख रुपये का दंड अनिवार्य होगा। विदेशी फंडिंग से कराए गए धर्मांतरण पर भी दस से बीस वर्ष की सजा और बीस लाख रुपये तक का जुर्माना रखा गया है। सबसे कठोर प्रावधान पुनरावृत्ति के मामलों में है। यदि कोई अपराधी बार-बार धर्मांतरण की साजिश करता पकड़ा गया तो उसे आजीवन कारावास और पचास लाख रुपये तक का दंड भुगतना पड़ेगा। स्पष्ट है कि अब अवैध धर्मांतरण करने वालों के लिए बच निकलने की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। विवाह और संस्थाओं पर नकेलः विधेयक में विवाह के माध्यम से किए गए धर्मांतरण को भी अवैध घोषित किया गया है। अक्सर देखा जाता है कि विवाह को साधन बनाकर धर्मांतरण कराए जाते हैं। यह प्रावधान ऐसे प्रपंचों को रोकने में सहायक होगा। साथ ही धर्मांतरण कराने वाली संस्थाओं की संपत्ति जब्त करने और आवश्यक होने पर बुलडोज़र चलाकर ध्वस्त करने का भी प्रावधान पहली बार जोड़ा गया है। यह कदम अपराधियों में भय पैदा करेगा और संगठित षड्यंत्रों की जड़ें काट देगा। प्रशासनिक नियंत्रणः विधेयक के अनुसार धर्म परिवर्तन करने से पूर्व व्यक्ति को 90 दिन पहले जिला कलेक्टर या एडीएम को सूचना देना अनिवार्य होगा। धर्माचार्यों को भी दो महीने पूर्व नोटिस देना होगा। इस पारदर्शिता से प्रशासन को पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखने में आसानी होगी। वहीं, 'घर वापसी' यानी पूर्वजों के धर्म में लौटने को धर्मांतरण नहीं माना जाएगा। इससे समाज में भ्रम और विवाद की स्थितियों को रोका जा सकेगा। सभी अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित किया गया है। इसका अर्थ है कि पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है और अदालत से आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्ती विधेयक को प्रभावी बनाने में निर्णायक सिद्ध होगी।

इसके बाद हम राजस्थान को लेकर यही उम्मीद करते हैं कि इस कानून से समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को सबसे अधिक राहत मिलेगी। अब उन्हें लालच या दबाव से धर्म परिवर्तन कराने वाले संगठनों से सुरक्षा मिलेगी। विदेशों से आने वाले संदिग्ध फंड पर भी अंकुश लगेगा। सामूहिक धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर रोक लगने से समाज में कृत्रिम विभाजन की प्रक्रिया रुकेगी और सामाजिक समरसता को बल मिलेगा। साथ ही यह कानून भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा में एक ढाल का काम करेगा। यह केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता की दृष्टि से भी अनिवार्य है। विधेयक का सबसे चर्चित पहलू बुलडोजर एक्शन है। यदि कोई संस्था सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण कराती है तो उसकी संपत्ति जब्त करने और भवनों को ध्वस्त करने का प्रावधान अपराधियों में भय पैदा करेगा। यह पहली बार है जब किसी राज्य ने धर्मांतरण जैसी गतिविधि को रोकने के लिए इतने कठोर उपायों को अपनाया है। इससे यह संदेश जाएगा कि समाज और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद की भूमिकाः विश्व हिन्दू परिषद लंबे समय से अवैध धर्मांतरण के खिलाफ अभियान चला रही थी। संगठन की यह पुरानी मांग थी कि कठोर कानून बने। राजस्थान सरकार ने इसे स्वीकार कर समाज की आवाज को कानूनी रूप दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार ने जो साहसिक कदम उठाया है, वह निश्चित ही जनभावनाओं का सम्मान है और इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। हालांकि कुछ वर्ग इस कानून की आलोचना करेंगे। वे इसे कठोर या धार्मिक स्वतंत्रता का हनन कह सकते हैं। किंतु यह समझना आवश्यक है कि यह कानून स्वेच्छा से किए गए धर्म परिवर्तन का विरोध नहीं करता। संविधान ने अनुच्छेद 25 में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी दी है, लेकिन यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य और नैतिकता के अधीन है। जबरन या छल-कपट से किया गया धर्म परिवर्तन न तो धार्मिक स्वतंत्रता है और न ही संवैधानिक अधिकार। यह सीधा-सीधा शोषण है और यही इस विधेयक का लक्ष्य है कि शोषण पर रोक लगे।

अंत में यही कहना है कि राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025केवल एक कानून नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा और संस्कृति की रक्षा का संकल्प है। यह अवैध धर्मांतरण की जड़ों को काटकर सामाजिक एकता और राष्ट्रीय अखंडता को सुदृढ़ करेगा। आने वाले समय में यह विधेयक राजस्थान ही नहीं, पूरे देश में एक आदर्श बनेगा। आज आवश्यकता है कि समाज के सभी वर्ग इस कानून का समर्थन करें और एकजुट होकर उन ताकतों का प्रतिकार करें जो छल-कपट से समाज को बाँटने की कोशिश करती हैं। यह विधेयक वास्तव में जनभावनाओं का प्रतिबिंब और सनातन संस्कृति की रक्षा का ऐतिहासिक कदम है।

विश्व अल्ज़ाइमर दिवस विशेष

योग चिकित्सा के साथ स्वस्थ मस्तिष्क, स्वस्थ समाज का संकल्प

महेश अग्रवाल
योग प्रशिक्षक एवं स्तम्भकार

21 सितम्बर को पूरी दुनिया विश्व अल्ज़ाइमर दिवस मनाती है। यह दिन केवल एक स्मृति रोग के प्रति जागरूकता का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमें यह भी याद दिलाता है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, हमारी स्मृति, सोचने की क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता कमजोर होती जा सकती है। यदि समय रहते जागरूकता, जीवनशैली में सुधार और योग-ध्यान जैसे उपाय अपनाए जाएँ तो व्यक्ति न केवल इस बीमारी को टाल सकता है बल्कि बुढ़ापे को भी सम्मानजनक और सुखद बना सकता है। अल्ज़ाइमर शब्द सुनते ही सबसे पहले 'भूलने की बीमारी' का ख्याल आता है। लेकिन यह केवल सामान्य भूलने की आदत नहीं है। यह एक गंभीर न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर है, जिसमें धीरे-धीरे मस्तिष्क की कोशिकाएँ नष्ट होती जाती हैं और व्यक्ति की याददाश्त, सोचने की शक्ति, व्यवहार और व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। विश्व अल्ज़ाइमर दिवस का उद्देश्य है - लोगों में जागरूकता फैलाना। समय रहते रोग की पहचान करवाना। रोगियों और परिवार के लिए सहयोग और करुणा का वातावरण बनाना।मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए जीवनशैली सुधार और योग-ध्यान अपनाना। योग मानव को उसकी अंतरात्मा की गहन अनुभूति दिलाने, सुंदर स्वास्थ्य और व्यक्तित्व के अंग-प्रत्यंगों में सामंजस्य स्थापित करने का अद्भुत साधन है। यदि मस्तिष्क स्वस्थ रहेगा तो शरीर और समाज दोनों स्वस्थ रहेंगे।

अल्ज़ाइमर क्या है? – अल्ज़ाइमर रोग एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है, जिसमें धीरे-धीरे स्मृति , सोच , और तर्कशक्ति कमजोर हो जाती है। इसे डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है।

अल्ज़ाइमर और डिमेंशिया में अंतर – डिमेंशिया एक व्यापक शब्द है, जिसमें स्मृति ह्रास, मानसिक भ्रम, व्यक्तित्व और व्यवहार में बदलाव जैसी स्थितियाँ आती हैं। अल्ज़ाइमर डिमेंशिया का सबसे आम रूप है, जो लगभग 60-70 मामलों में पाया जाता है।

अल्ज़ाइमर के लक्षण – अल्ज़ाइमर रोग को समझने के लिए इसके लक्षणों को तीन चरणों में बाँटा जाता है - प्रारंभिक अवस्था। रोज़मर्रा की छोटी-छोटी बातें भूल जाना। तिथि, स्थान और समय में भ्रम होना। परिचित स्थानों पर भी रास्ता भूल जाना। शब्द खोजने में कठिनाई। मध्यम अवस्था - परिवार और मित्रों को पहचानने में कठिनाई। दैनिक कार्यों (जैसे कपड़े पहनना, खाना बनाना) में परेशानी। व्यक्तित्व और व्यवहार में बदलाव (क्रोध, संदेह, चिड़चिड़ापन)। नींद की गड़बड़ी। अंतिम अवस्था। पूरी तरह दूसरों पर निर्भर होना । चलने-फिरने और बोलने में कठिनाई। संचार की क्षमता खो जाना। शरीर की प्रतिरक्षा कमजोर होना, जिससे अन्य बीमारियाँ बढ़ जाती हैं। अल्ज़ाइमर के कारण और जोखिम कारक - उम्र - 65 वर्ष के बाद खतरा बढ़ जाता है। आनुवंशिकता - परिवार में यह रोग हो तो संभावना अधिक। जीवनशैली - धूम्रपान, शराब, जंक फूड, नींद की कमी। मानसिक तनाव - लगातार चिंता, डिप्रेशन बीमारियाँ - डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा। पर्यावरण - प्रदूषण और हानिकारक रसायन। शारीरिक निष्क्रियता - व्यायाम और योग की कमी। भारत और विश्व में अल्ज़ाइमर - विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में लगभग 5.5 करोड़ लोग डिमेंशिया से पीड़ित हैं। इनमें से 60- 70 प्रतिशत को अल्ज़ाइमर है। हर 3 सेकंड में दुनिया में एक नया डिमेंशिया केस सामने आता है। भारत में अनुमानित 40 लाख से अधिक लोग इस रोग से जूझ रहे हैं।आने वाले दशकों में इनकी संख्या कई गुना बढ़ सकती है। अल्ज़ाइमर और परिवार - अल्ज़ाइमर रोगी का जीवन केवल उसका अपना नहीं होता, बल्कि उसका परिवार भी प्रभावित होता है। रोगी पर निर्भरता बढ़ जाती है। आर्थिक बोझ बढ़ता है।देखभाल करने वाले मानसिक और शारीरिक तनाव से गुजरते हैं। करुणा, धैर्य और सहयोग का भाव सबसे आवश्यक हो जाता है।उपचार और प्रबंधन - अल्ज़ाइमर का अब तक कोई स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन लक्षणों को नियंत्रित करने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने के उपाय हैं।

योग का प्रभाव – रक्त संचार और ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाता है। मानसिक तनाव कम करता है। स्मृति और एकाग्रता को मजबूत करता है।मस्तिष्क की तरंगों में संतुलन लाता है। उपयोगी आसन शीर्षासन, सर्वांगासन, पवनमुक्तासन, वृक्षासन प्राणायाम और ध्यान - अनुलोम-विलोम, कपालभाती, भ्रामरी, मंत्र जप का उच्चारण, श्वास जागरूकता ध्यान , आहार और जीवनशैली - ताजे फल और हरी सब्जियां उपयोगी हैं।

संदेश यह है कि हमें मस्तिष्क स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। योग, ध्यान और आयुर्वेद को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।वृद्धजन की देखभाल केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि समाज का धर्म है। जागरूकता और करुणा से ही अल्ज़ाइमर जैसी बीमारी पर विजय संभव है।

अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस- 21 सितम्बर, 2025

युद्ध-आतंक के दौर में शांति के लिये भारत की पुकार

ललित गर्ग
स्तंभकार

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, जिसे प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है, आज के समय की सबसे बड़ी मानवीय आवश्यकता की याद दिलाता है। जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, जलवायु संकट और असमानताओं के दौर से गुजर रही हो, तब शांति का महत्व केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन जाता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानव सभ्यता को केवल विनाश ही दिया है। दो विश्वयुद्धों में करोड़ों लोगों की जान गई, असंख्य परिवार उजड़ गए और सभ्यता के सपनों पर गहरी चोट लगी। आज भी यूक्रेन से लेकर सीरिया, अफगानिस्तान और अफ्रीका तक की धरती पर संघर्ष और आतंकवाद की आग धधक रही है। निर्दोष नागरिक, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं। शरणार्थियों की भीड़, विस्थापितों के आँसू और टूटे हुए घर-परिवार इस बात का सबूत हैं कि युद्ध और आतंकवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि और बड़ी समस्या पैदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना ही इसी उद्देश्य से हुई थी कि विश्व में शांति और सहयोग कायम हो। इसी क्रम में 1981 में महासभा ने 21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि युद्धविराम, संवाद और अहिंसा ही मानव सभ्यता की रक्षा कर सकते हैं। इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति की घंटी बजाई जाती है, जो यह प्रतीक है कि जब तक धरती पर शांति नहीं होगी, तब तक जीवन सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भय, हिंसा, तनाव और असुरक्षा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दौड़ ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ युद्धों और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संकटों को जन्म दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक चेतावनी और आह्वान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, करुणा और अहिंसा को अपने

जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं।

विश्व शांति की दिशा में भारत का योगदान हमेशा से उल्लेखनीय रहा है और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार वसुधैव कुटुंबकम् और एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश देकर मानवता को एक साझा परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी है। संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर मोदी ने संवाद, कूटनीति, अहिंसा और सहअस्तित्व को संघर्ष और युद्ध से बेहतर विकल्प बताया है। भारत के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शांति और सतत विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग, योग को विश्व स्तर पर शांति और मानसिक संतुलन का साधन बनाना, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन दुनियाभर विश्व अहिंसा दिवस मनाने जैसे प्रयास भी विश्व शांति को दीर्घकालिक आधार प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह मानना है कि शांति केवल संघर्षों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सहयोग की उपस्थिति है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व को न केवल आर्थिक और राजनीतिक सहयोग दे रहा है, बल्कि नैतिकता, अहिंसा, योग और सांस्कृतिक रूप से भी शांति की राह दिखा रहा है।

कांग्रेस ने न्याय यात्रा से दिखाया दम, भाजपा सरकार पर बरसे जीतू पटवारी

मंच से गूंजे वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे

इटारसी, दोपहर मेट्रो

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में किसानों की समस्याओं और राहुल गांधी के वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को केंद्रबिंदु में रखकर किसान खेत न्याय यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में शामिल होने मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी पहुंचे। पटवारी का इटारसी आगमन होने पर शहर में भव्य स्वागत सत्कार किया गया। इसके बाद द्वारिकाधीश मंदिर स्थित तुलसी चौक पर आमसभा का आयोजन किया गया। आमसभा के मंच से केंद्र सरकार, मध्यप्रदेश सरकार और नर्मदापुरम जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर तीखे हमले किए गए।

सभा में नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस ने जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। जिनमें स्मार्ट मीटरों का विरोध, व्यापारियों पर टैक्स वृद्धि, सोमवारा बाजार जैसे अनेक मुद्दे शामिल हैं। नर्मदापुरम जिले में किसानों के सामने में खाद की समस्या बड़ी है जिसके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का सहयोग आवश्यक है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पांडे ने कहा कि वर्ष 2027 में जिले में नई कांग्रेस दिखाई देगी। हम सभी नगरपालिकाएं जीतेंगे। कांग्रेस अभी से ही पूरी ताकत से सक्रियता से जनता के बीच जाकर अपनी बात रखेंगी। पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा ने कहा कि वोट चोरी सब जगह हो रही है। नर्मदापुरम जिला भी इससे बचा नहीं है। यहां भी वोटर लिस्ट की जांच होना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूरे प्रदेश में सक्रिय हैं जिसका असर भी दिखने लगा है। हमने 20 साल बाद इटारसी में कांग्रेस में ऐसा उत्साह दिखा है।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजय शर्मा ने कहा कि इटारसी में जनसैलाब का उमड़ना राहुल गांधी की वोट चोरी यात्रा की मेहनत का प्रमाण है। भाजपा सरकार के राज में किसान और आम जनता परेशान है। मूंग भुगतान किसानों को नहीं मिल रहा है, कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम काटने जैसे काम हो रहे हैं। हमें अभी से ही सतर्कता से काम करना है। पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने कहा कि तीस साल से ज्यादा समय से भाजपा का राज है नर्मदापुरम क्षेत्र में । कांग्रेस ने जो पहचान इटारसी को दी थी उसे मिटाने के काम भाजपा सांसद और विधायकों ने किया है। यहां भाजपा के उन नेताओं ने कोई काम नहीं किया है। देश में सबसे झूठे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान साबित हुए है। क्योंकि उनकी किसानों की कर्जमाफी की घोषणा आज तक अधूरी है। किसान आज बहुत परेशान है और कर्ज में।हुआ। किसानों ने शिवराज सिंह के कार्यकाल में सबसे ज्यादा आत्महत्या की है। किसानों की लड़ाई प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी लड़ रहे हैं। इटारसी में जुआ सट्टा शराब चरम पर है क्योंकि नेता और पुलिस का संरक्षण है। आने वाला नपा चुनाव है जो सेमी फाइनल है उसमें हमें कांग्रेस को जिताकर फाइनल की तैयारी करना है। वरिष्ठ नेता मानक अग्रवाल ने कहा कि आज पूरे प्रदेश की नजर जीतू पटवारी पर लगी है। वे हर वर्ग के लिए प्रदेश में संघर्ष कर रहे है। कांग्रेस किसानों के साथ ही जनता की समस्याओं के लिए लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद इन सब समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंच से जनता को तवज्जो दी और कहा कि जो जनता सामने बैठी है वो सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। आम जनता का वोट खतरे में है। पीएम नरेंद्र मोदी ने देश का वातावरण ऐसा बना दिया है।

2014 के पहले मनमोहन सिंह ने मंदी में भी देश को कमज़ोर नहीं करने दिया। तब 2014 में मोदी ने आकर झूठे जुमले बाजी से सत्ता संभाली। उसके बाद कई राज्यों में सरकार एक साल में राज्यपाल के सहयोग से गिरा दी। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मनमानी पीएम मोदी और अमित शाह ने की है। विधायकों की खरीद फरोख्त कर सरकार गिराने का गंदा खेल भी उन्होंने शुरू किया। अब मोदी, चुनाव आयोग, आरएसएस जनता की वोट चोरी करा रहे है। राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे है तो वोट चोरी पर मगर जवाब देने भाजपा सामने आ रही है। इन स्थितियों को समझते हुए कांग्रेस को मजबूत करना है।

34 मवेशियों को बम्हनगांव गोशाला छोड़ा

नर्मदापुरम। नगर के यातायात में व्यवधान उत्पन्न कर रहे नगर में बेसहारा घूमते हुए पशुओं को नगरपालिका के हांका दल द्वारा पकड़कर गोशाला में ले जाकर छोड़ा गया। साथ ही पशु पालकों को समझाइश दी गई। हाका दल प्रभारी गगन सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए आवारा पशुओं को पकड़कर गोशाला भेजा जा रहा है। रसूलिया क्षेत्र से फौजदार पेट्रोल पंप, भोपाल तिराहे, गीता भवन के सामने से रोड पर बैठे आवारा 34 सांडों को पकड़कर बम्हनगांव की गोशाला में छोड़ा गया। इस कार्रवाई में हांका दल के गगन सोनी के साथ रविंद्र ठाकुर, दिलीप कहार, तरूण शुक्ला, प्रेम लश्करी, मोहन कहार, संदीप वर्मा आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने कृषि मंडी का किया भ्रमण

गंजबासौदा। कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने डॉ. विनोद कुमार गर्ग अधिष्ठाता के निर्देशन में एवं डॉ रामफूल अहिरवार के मार्गदर्शन में कृषि उपज मंडी समिति का भ्रमण कराया। भ्रमण के दौरान कृषि विपणन, व्यापार एवं कीमतें के प्रायोगिक कार्य के अंतर्गत अनाज की बिक्री, किसानों एवं व्यापारियों से लिए जाने वाले विभिन्न शुल्क की जानकारी, ई मंडी, प्रतिदिन आने वाली आवक एवं कीमतें ,आवक की तुलाई, एवं अनाज की खरीदी के लाइसेंस की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को शंभूसिंह रघुवंशी एवं राकेश कुमार ने अवगत कराया। कृषि उपज मंडी समिति के सचिव सोहनलाल ने विद्यार्थियों को मंडी की अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। भ्रमण के दौरान प्रीति चौहान उपस्थित रही।

बड़े पैमाने पर दुकानों से जब्त की सिंगल यूज पॉलीथिन

आगर मालवा। प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आगर मालवा में नगर पालिका परिषद ने स्वच्छता अभियान के तहत दुकानों पर सिंगल यूज पॉलिथीन जब्त करने की कार्रवाई की है। इस दौरान परिषद के दल ने मानक से अधिक और अमानक पॉलिथीन मिलने पर सख्त कदम उठाए। अभियान के तहत श्री सोनगरा किराना स्टोर और चांदमल सीताराम जी की फर्म से बड़ी मात्रा में पॉलिथीन बरामद हुई। इसके अतिरिक्त, अन्य दुकानों से भी अमानक स्तर की पॉलिथीन जब्त की गई। कुल 31 किलो 200 ग्राम सिंगल यूज पॉलिथीन जब्त की गई है। नगर पालिका ने संबंधित दुकानदारों को भविष्य में ऐसी पॉलिथीन पाए जाने पर कड़ी चालानी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्हें सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग बंद करने की हिदायत दी गई। नगर पालिका परिषद ने आमजन और व्यापारियों से अपील की है कि वे सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग बंद कर स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त शहर बनाने में सहयोग करें।

शराब पीने को लेकर हुई थी बाबा की हत्या

जीआरपी पुलिस ने किया हत्या का खुलासा

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विगत दिनों स्थानीय रेलवे स्टेशन पर हुई बाबा की हत्या का जीआरपी पुलिस ने खुलासा किया है। जीआरपी पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि पिछले दिनों प्लेटफार्म एक पर अज्ञात व्यक्ति की अज्ञात आरोपी द्वारा शराब पीने को लेकर कुछ युवकों से बाबा का विवाद हो गया। इसी विवाद के चलते बाबा की चाकू मार कर निर्मम हत्या कर दी गई थी। अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने के लिए जीआरपी थाना विदिशा की एक टीम गठित की गई थी। टीम द्वारा प्रकरण की विवेचना में सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर सूचना से अज्ञात व्यक्ति (बाबा) मृतक का नाम मनोज विश्वकर्मा निवासी फ्रीगंज स्कूल के पीछे का होना पाया गया तथा। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर गठित टीम द्वारा मुख्य आरोपी मनीष कुशवाह उर्फ ब्लेडर, अन्य आरोपी अंकित उर्फ अनिकेत रघुवंशी,अंशुल कुशवाह, अभिषेक परिहार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जीआरपी पुलिस द्वारा हत्या के आरोपियों का खुलासे के बाद शहर जुलूस भी निकाला।

पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी और मुख्य आरोपी एक दूसरे को पहले से नहीं जानते थे स्टेशन पर ही मुलाकात हुई थी। जिन्होंने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि स्टेशन की दीवार के पास आरोपी शराब पी रहे थे तभी मृतक बाबा वहां आया और शराब पीने की मांग की इसी के चलते मुख्य आरोपी से विवाद हो गया। इसके बाद बाबा स्टेशन के अंदर चला गया। थोड़ी देर बाद मुख्य आरोपी ने प्लेटफार्म एक पर पहुंचकर बाबा की चाकूओं से हत्या कर दी। अन्य आरोपी चारों तरफ खड़े हो गए। कार्रवाई में थाना प्रभारी जीआरपी विदिशा महेंद्र शाक्य, बलबंत सल्लाम, मोहन पटेल, सुनील सिंह, छतर सिंह, दर्शन तिवारी गठित टीम में विशेष भूमिका रही।

शिविर में 125 ग्रामीणों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

बुदनी/नर्मदापुरम। ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में ट्राइडेंट ग्रुप ने एक सराहनीय पहल करते हुए जोशीपुर पंचायत भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित इस शिविर में 125 ग्रामीणों ने जांच और परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर का आयोजन ट्राइडेंट ग्रुप की सीएसआर ईकाई ट्राइडेंट ह्यूमैनिटी फाउंडेशन द्वारा मधुबन अस्पताल के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर हेल्थ ऑन व्हील मोबाइल एम्बुलेंस परियोजना की शुरुआत भी की गई, जिससे ग्रामीणों तक त्वरित और सुलभ चिकित्सा सुविधा पहुंचाई जा सके। कार्यक्रम का संचालन समूह के चेयरमैन पद्मश्री राजिंदर गुप्ता और सीएसआर प्रमुख मधु गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सीएसआर टीम से अरविंद गिरी, सुबेष तिवारी और पी.आर.ओ. अरविंद मौजूद रहे।

शिविर में स्वास्थ्य संबंधी दी जानकारी

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

स्थानीय मानस भवन में सेंट एसआरएस पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के तत्वावधान में एम्स भोपाल के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ के द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एम्स भोपाल से 30 से ज्यादा विशेषज्ञ चिकित्सक, पैथालॉजी एवं पैरामेडिकल स्टाफ, स्त्री रोग विशेषज्ञ शामिल हुए। जिन्होंने गंभीर बीमारियों शुगर, बीपी, थायराइड, सायटिका, लकवा सहित अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों की जांच कर उपचार किया गया। इस दौरान एम्स भोपाल डीन एकेडेमिक मेडीसिन के एचओडी प्रोफेसर डॉ. रजनीश जोशी, प्रोफेसर डॉक्टर सौरभ सहगल, न्यूरो सर्जन प्रोफेसर डॉ. आदेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेगा कैम्प का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल की ओर से डायरेक्टर केएसयादव, मैनेजिंग डायरेक्टर सुधा यादव, काउंसलर इंजीनियर संघमित्रा यादव, प्राचार्य उमेश चंद्र यादव, ब्रजेश यादव, शिवम यादव ने विधायक हरिसिंह रघुवंशी, समाजसेवी कांति भाई शाह, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेश तिवारी, नपा में सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, पत्रकार सौदान सिंह यादव, बीएमओ डॉ. प्रमेन्द्र तिवारी सहित एम्स भोपाल के डॉक्टरों एवं पैरामेडीकल स्टाफ को प्रशस्ति पत्र एवं शाल श्रीफल प्रदान कर आत्मीय अभिनंदन किया। संस्था की मैनेजिंग डायरेक्टर सुधा यादव ने बड़े ही भावपूर्ण उद्बोधन में अपनी गंभीर बीमारी के समय देवदूत बनकर एम्स भोपाल के डॉक्टरों के सहयोग के लिए आभार जताया।

नवरात्रि, दशहरा एवं मूर्ति विसर्जन को लेकर कंट्रोल रूम में की चर्चा

महेश्वर, दोपहर मेट्रो

नगर में आगामी त्यौहारों नवरात्रि, दशहरा एवं नवदुर्गा मूर्ति विसर्जन को लेकर शुक्रवार शाम 5 बजे पुलिस थाना कंट्रोल रूम में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर के वरिष्ठ नागरिकों, नवदुर्गा पंडाल समितियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम मंडलेश्वर पूर्वा मंडलोई ने स्पष्ट कहा कि पंडाल समितियां अपने आयोजनों में जिम्मेदारी निभाएं और विशेषकर गरबा में भाग लेने वाली बालिकाओं की सुरक्षा पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में संबंधित पंडाल समिति को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। प्रशासन ने यह भी आदेश दिए कि गरबा आयोजन रात 12 बजे तक ही संपन्न किए जाएं। निर्धारित समय से अधिक देर तक आयोजन करने पर कार्यवाही की जाएगी।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि पंडाल समितियां अपने स्वयंसेवकों (वालंटियर्स) के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन के लिए प्रशासन ने पेशवा घाट को अधिकृत स्थान चिन्हित किया है, जहां सभी समितियां मूर्तियां विसर्जित करेंगी। इसके अलावा गवला तालाब पर भी मूर्ति विसर्जन किया जा सकता है। साथ ही समितियों से कहा गया कि विसर्जन के समय बालिकाओं के साथ समझदार सदस्य मौजूद रहें ताकि उनकी सुरक्षा में कोई चूक न हो। बैठक में यह भी तय किया गया कि नगर में मेले और गरबे का आयोजन रात 12 बजे तक ही सीमित रहेगा। गरबा पंडाल समितियों ने भी प्रशासन को अपने नवरात्रि के नौ दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में शिवसेना नेता बलराज खटीक एवं मनोज पाटीदार ने भी अपने सुझाव रखे। उन्होंने प्रशासन से त्योहारों के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की मांग की।

छिंदवाड़ा में श्रद्धालुओं से भरी कार बेकाबू होकर कुएं में गिरी, 4 की मौत

छिंदवाड़ा। श्रद्धालुओं से भरी एक कार बेकाबू होकर बिना मुंडेर के कुएं में गिर गई। हादसे में कार सवार 7 लोगों में से 4 की मौत हो गई। वहीं 3 लोगों को ग्रामीणों ने बचा लिया, तीनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। चौथे शख्स का शव शनिवार सुबह सवा 5 बजे के आसपास बरामद कर लिया गया। हादसा छिंदवाड़ा- बैतूल स्टेट हाईवे पर टेमनी खुर्द के पास हुआ। कार सवार लोग धार्मिक अनुष्ठान के लिए यात्रा पर निकले थे। बैतूल के बालाजीपुरम धाम में दर्शन के बाद चित्रकूट लौट रहे थे। इस दौरान कार का टायर फटने से वह बेकाबू हो गई। हाईवे किनारे बने एक कुएं में गिर गई। सूचना मिलने पर सांवरी चौकी प्रभारी मुकेश द्विवेदी अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर तक जाम की स्थिति भी बनी रही।

मेट्रो एंकर

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम 2 अक्टूबर तक जारी

विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक करने की दिलाई शपथ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव के नेतृत्व एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में शासन द्वारा प्राप्त निर्देश अनुसार स्वच्छता सेवा 2025 अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक कार्यक्रम निरंतर होंगे।

नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम के तत्वाधान में जन जागरूकता अभियान ओम सई विजन भोपाल द्वारा विंध्यवासिनी हॉयर सेकंडरी स्कूल मालाखेड़ी में शुक्रवार को सभी बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। अपने घर गली मोहल्ले वार्ड शहर को स्वच्छ बनाने हेतु कचरा कचरा गाड़ी में अलग-अलग डालने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने, सार्वजनिक क्षेत्र को साफ स्वच्छ बनाए रखना की शपथ दिलाई गई।

स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी द्वारा बताया गया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत सभी 33 वार्डों में श्रमदान का कार्यक्रम किए जा रहे हैं। जनप्रतिनिधि वार्ड वासी एवं स्वयंसेवी संस्थान द्वारा स्वच्छता में लगे कर्मचारियों को सम्मान भी वार्डवासी द्वारा किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा सभी शहरवासियों से अपील की है कि अपने शहर को साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने हेतु स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत श्रमदान करके शहर को नंबर वन बनाने में मदद करें। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा सभी रहवासियों से आग्रह किया है कि शहर की स्वच्छता में सहयोग प्रदान कर कचरे को खाली प्लाट रोड नाली में ना फेंकें एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत प्रत्येक दिन 1 घंटे स्वच्छता के लिए प्रदान करें जिस शहर देश का नंबर वन शहर हो सके।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 अंतर्गत कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम स्वच्छता नोडल दीक्षा तिवारी स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी सतीश यादव अभिषेक मगर्दे राहुल यादव आकाश वार्ड सुपरवाइजर स्वच्छता शाखा के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

देवनगरी बेहलोट में चल रही वार्षिक पितृ पक्ष महोत्सव श्रीमद् भागवत कथा गजेंद्र मोक्ष विशेषांक, ज्ञान गंगा सप्ताह में कथावाचक पंडित बृजेश मिश्रा ने बताया कि आज वर्तमान समय में जीवन को प्रबंधन धर्म और संस्कारों की आवश्यकता है, इन्हीं सभी विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आध्यात्मिक और संस्कारों के क्षेत्र में आने वाली युवा पीढ़ी को जानने और समझने की आवश्यकता है। कथा के दौरान पंडित बृजेश मिश्रा ने अनेक उदाहरणों के माध्यम से पितृपक्ष की पावन बेला में अपने अपने पितरों, देवों और समस्त जीवात्माओं के कल्याण के लिए श्रीमद् भागवत कथा सुनना और समझना जरूरी है। पंडित मिश्रा ने अनेक प्रसंगों को सुना कर श्रद्धालुओं को भक्ति भाव में डुबो दिया। कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और आनंद से मनाया। भगवान श्री कृष्ण का जन्म होते ही, पूरा पंडाल नंद का आंगन बन गया। और गूंज उठा नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की पंडाल में सभी भक्त भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव मनाते हुए झूम उठे।

चार बच्चों के साथ सड़क पार करते दिखा तेंदुआ

तेंदूखेड़ा। वन परिक्षेत्र के अंतर्गत तेंदूखेड़ा पाटन और सैलबाड़ा मार्ग पर पिछले दो साल से तेंदुए की आहट बनी हुई है और आए दिन राहगीरों ओर जंगली क्षेत्र से लगे ग्रामों में तेंदुआ देखा जा चुकी है । रात करीब 1 बजे तेंदूखेड़ा पाटन मार्ग पर एक तेंदुआ अपने चार शावक बच्चों के साथ देखा गया है जिसकी फोटो सड़क से निकल रहे राहगीर द्वारा अपने फोन में ली गई है। इसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को भी दी है।

बिलतरा में निकला 12 फीट लंबा अजगर

तारादेही/तारादेही। तेंदूखेड़ा के ग्राम बिलतरा में रात एक घर में बने बाड़े में 12 फीट लंबा अजगर आ गया। अजगर को देख हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सर्रा रेंज की रेस्क्यू टीम को दी गई जहां टाइगर रिजर्व की टीम आधा घंटे के अंदर बिलतरा गांव पहुंची और अजगर को पकड़ने का प्रयास शुरू किया गया आधा घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़कर टाइगर रिजर्व के जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया।

बलिदान दिवस पर राजा शंकर शाह को किया याद

तेंदूखेड़ा। सर्व आदिवासी समाज द्वारा गोंडवाना के शासक राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह की बलिदान दिवस का कार्यक्रम कृषि उपज मंडी जबेरा में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया सर्वप्रथम राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भोपाल सिंह ने कहा कि हम सभी को राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ, प्रताप तेकाम,वेनी प्रसाद, द्वारका पूर्व सरपंच, प्रकाश सरपंच,गिरधारी परस्ते, गोलू पोर्ते,वाली सिंह, लवकुश कडोपा, गोविंद सिंह, विशाल, वाली धुर्वे, महाराज सींग, मुकेश मरकाम,जय सींग व बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

मेडीकल स्टोर को नोटिस जारी

सागर. कलेक्टर संदीप जी आर द्वारा गठित निरीक्षण दल ने बीना के मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में शर्मा मेडिकल पर नारकोटिकेस दवाओं के बिल मौके पर प्रस्तुत नहीं किए। आदर्श मेडिकल पर बिल बुक नहीं पायी गई। मेडिकल स्टोर्स से नारकोटिक्स दवाओं एवं कोड दवाई के खरीदी बिक्री बिल प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है। अनियमितता मिलने पर नोटिस जारी किया गया जवाव संतुष्ट नहीं पाए जाने पर नियमानुसार अग्रिम जाएगी। इसी प्रकार खुरई के मेडिकल स्टोर्स का निरिक्षण किया गया। ड्रग हाउस ,गाँधी मेडिकल स्टोर्स, गुरुकृपा मेडिकल, खुरई का निरिक्षण किया गया बाकि मेडिकल स्टोर्स दुकान बंद कर भाग गए।

धार्मिक फ्लेक्स हटाने को लेकर विवाद

देवास। नगर निगम द्वारा नवरात्रि के दौरान लगाए गए धार्मिक फ्लेक्स हटाने की कार्रवाई पर विवाद गहरा गया है। स्थानीय पार्षदों ने निगम की टीम द्वारा हटाए गए फ्लेक्स को नालों में फेंके जाने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और फ्लेक्स ले जा रहे ट्रैक्टर को रोक दिया। पार्षदों का आरोप है कि निगम कर्मचारी हटाए गए धार्मिक फ्लेक्स और बैनरों को नालों में फेंक रहे हैं। उन्होंने इसे आस्था का अपमान और स्वच्छता अभियान का उल्लंघन बताया। पार्षदों ने निगम प्रशासन पर तानाशाही रवैये का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि यह कार्रवाई नहीं रोकी गई तो विरोध और तेज किया जाएगा। पार्षद धर्मेंद्र सिंह बेस ने कहा नवरात्रि जैसे पावन पर्व पर लगाए गए धार्मिक फ्लेक्स को जिस तरह से हटाकर नालों में फेंका जा रहा है, वह अस्वीकार्य है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं और मांग करते हैं कि इस प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए। इस घटनाक्रम के बाद शहर में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्तापक्ष के नेता मनीष सेन ने कहा कि नए निगम आयुक्त से अभी किसी जनप्रतिनिधि की मुलाकात नहीं हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि फ्लेक्स हटाने हैं तो जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर पूरी योजना बतानी चाहिए। सेन ने चेतावनी दी कि तानाशाही रवैया स्वीकार नहीं किया जाएगा और धर्म का अपमान नहीं होने दिया जाएगा।

मकरोनिया चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू, मिलेगी जाम से राहत

सिग्नल व्यवस्था की जानकारी बताने अब यातायात पुलिस के साथ नपा कर्मी भी तैनात

सागर, दोपहर मेट्रो

जिला एवं यातायात पुलिस नगर पालिका मकरोनिया लोक निर्माण विभाग ने मकरोनिया चौराहे पर पांच दिन के ट्रायल के बाद यहां लगे ट्रैफिक सिग्नल को चालू कर दिया। कलेक्टर के निर्देश पर ट्रैफिक सिग्नल की वाहन चालकों को जानकारी देने के लिए चौराहे पर यातायात पुलिस और नगर पालिका के कर्मचारियों को भी तैनात किया गया है, जो वाहन चालकों को सिग्नल के पूर्व सड़क पर बनी पट्टी के पहले अपने वाहन खड़ा करने और सिग्नल को फॉलो करने की जानकारी दे रहे हैं. चौराहे से गुजरने वाले पांच रास्तों के लिए लगे सिग्नल में वाहन चालक भ्रमित होने के कारण यातायात व्यवस्था का पालन नहीं कर पा रहे थे।

मकरोनिया चौराहे से गुजरने वाली बंडा, नरसिंहपुर, सदर, बंडा, सिविल लाइन और बटालियन की और जाने वाले मार्ग से आने जाने वाले वाहनों के कारण यहां सबसे ज्यादा जाम की स्थिति बनती थी ट्रैफिक सिग्नल शुरू होने से जाम की स्थिति नहीं बनेगी और लोगों के समय में भी बचत होगी। मकरोनिया चौराहे पर लगे सिग्नल को चालू किया गया, लेकिन काफी समय से बंद पड़े इन सिग्नलों में तकनीकी खामियों के कारण यह सही ढंग से काम नहीं कर रहे थे. यातायात पुलिस ने नगर पालिका स्मार्ट सिटी कमांड कंट्रोल सेंटर की अधिकारियों के साथ मिलकर सिग्नल को दुरुस्त करवाया और फिर उसे ट्रायल के तौर पर चालू किया।

ट्रैफिक डीएसपी मयंक सिंह ने बताया कि कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार मकरोनिया चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू किए गए हैं सभी ट्रैफिक सिग्नल का समय भी निर्धारित कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि चौराहे के पांच रास्तों पर लगे इन ट्रैफिक सिग्नल पर यातायात दबाव को देखते हुए समय निर्धारित किया गया है। बंडा सिविल लाइन रोड पर सबसे ज्यादा वाहनों की आवाजाही को देखते हुए यहां पर सबसे ज्यादा 35 सेकंड का समय निर्धारित किया गया है। जबकि नरसिंहपुर, रजाखेड़ी और बटालियन रोड पर 10 और 20 सेकंड का समय फिक्स किया गया है। इसके के अलावा इन सिग्नल के नीचे चौराहे पर यातायात पुलिस और नगर पालिका के कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं।

तीन करोड़ की 5 हेक्टेयर गौचर भूमि से हटाया अतिक्रमण

सागर, दोपहर मेट्रो

जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए ग्राम बम्होरी बीका से तीन करोड़ की 5 हेक्टेयर गौचर की भूमि से अतिक्रमण हटाया है। तहसीलदार राहुल गौड़ ने बताया कि कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर अतिक्रमण एवं माफियाओ पर कार्रवाई की जा रही है. इसी परिपेक्ष्य में आज बमोरी बीका ग्राम में बड़ी कार्रवाई करते हुए गोचर की भूमि जो की ग्राम वासियों द्वारा कब्जा की गई थी. भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई जिसकी कीमत 3 करोड रुपए से अधिक की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी

मंदसौर में पिकअप वाहन चंबल नदी में लटका, एक बहा

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र में एक पिकअप वाहन चंबल नदी पर बने पुल से लटक गया। हादसे में पिकअप सवार कमल सिंह राजपूत नदी के तेज बहाव में बह गए, जबकि उनके साथी उदय सिंह अंजना सुरक्षित बच निकले।

यह घटना भरतपुरा गांव के पास हुई। पिकअप सवार उदय सिंह अंजना और कमल सिंह आगर से सीतामऊ की ओर आ रहे थे। भरतपुरा पुलिया पर चंबल नदी का पानी भरा हुआ था। जलमग्न पुलिया से वाहन निकालने के प्रयास में पिकअप का टायर फिसल गया, जिससे लोडिंग वाहन पुलिया से नीचे लटक गया। दोनों सवार अपनी जान बचाने के लिए

वाहन से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान पानी का बहाव तेज होने के कारण कमल सिंह (पिता श्याम सिंह राजपूत) नदी में बह गए।

सूचना मिलते ही एसडीओपी दिनेश प्रजापति और सीतामऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की टीम चंबल नदी में कमल सिंह की तलाश कर रही है। उदय सिंह आंजना आगर जिले के बहुरिया गांव के निवासी हैं, जबकि कमल सिंह आगर मालवा जिले के मजूखेड़ी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

डिंडौरी में फौती नामांतरण के लिए पटवारी ने मांगी चार हजार रुपए की रिश्वत, ईओडब्ल्यू ने दबोचा

डिंडौरी, दोपहर मेट्रो

डिंडौरी में जबलपुर आर्थिक अपराध ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) की टीम ने एक पटवारी को 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। जानकारी के अनुसार पटवारी कौशल राम चावले को पुरानी डिंडौरी स्थित हनुमान मंदिर के सामने से पकड़ा गया। उस पर किसान से फौती नामांतरण के काम के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

ईओडब्ल्यू ने पटवारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। डिंडौरी सर्किल के कोहका गांव निवासी किसान राजा राम बिलागर ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके दादा स्वर्गीय चंद की मृत्यु के बाद फौती नामांतरण के लिए आवेदन दिया था, लेकिन पटवारी इस काम को करने में टालमटोल कर रहा था और 4 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर रहा था। किसान राजा राम बिलागर ने 11 सितंबर को जबलपुर स्थित ईओडब्ल्यू कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। टीम के सदस्यों ने 18 सितंबर को शिकायत का सत्यापन किया। शुक्रवार को जब किसान पटवारी को रिश्वत की रकम देने पुरानी डिंडौरी में हनुमान मंदिर के पास पहुंचा, तो ईओडब्ल्यू टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

भोजन की जांच में मिली गड़बड़ी तो की कार्रवाई

बैतूल। जिले के शाहपुर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में छात्रों के विरोध के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। प्राचार्य पंकज शरण को निलंबित करने का प्रस्ताव दिया गया है। स्टाफ नर्स सोनम हनोते और काउंसलर पूजा दुबे की सेवाएं समाप्त कर दी गईं। साथ ही मेस ठेकेदार आलोक सिंह की निविदा निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें करीब 600 छात्र भोजन की खराब गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को लेकर विरोध जताते हुए शाहपुर से बैतूल कलेक्टर से मिलने के लिए पैदल निकल पड़े। छात्र 36 किलोमीटर दूर बैतूल जाने के लिए निकले और बरेठा तक पहुंच गए। स्थिति की जानकारी मिलते ही कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी शाहपुर पहुंचे।

किरनापुर एसडीओपी ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों की मदद से किशोरियों की महिला पुलिस अधिकारी से काउंसलिंग कराई गई। इसके बाद लड़कियों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई। पूछताछ में पता चला कि

नाबालिगों को देह व्यापार में धकेलने के आरोप में तीन महिलाओं को पकड़ा

बालाघाट, दोपहर मेट्रो

नगर में देह व्यापार से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसमें 14 से 17 साल की तीन नाबालिग लड़कियों को देह व्यापार के लिए मजबूर करने की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। ये महिलाएं लड़कियों को अच्छे भविष्य और पैसों का लालच देकर एक विशेष पूजा के बहाने ले जा रही थीं।

आरोपी महिलाओं ने लड़कियों को पैसों का लालच देकर महाराष्ट्र के तुमसर ले गई थीं। वहां एक सुनसान जगह पर उन्हें कुछ लोगों के साथ अनैतिक काम करने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन लड़कियों ने इसका विरोध किया और घर लौटने की जिद पकड़ ली, जिसके बाद आरोपी महिलाओं ने उन्हें वापस छोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी महिलाओं अनिता पांचे, पूजा कुथे (दोनों सेवती, किरनापुर निवासी) और प्रिया थापा (कोरबा, छत्तीसगढ़ निवासी) को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता), अनैतिक व्यापार और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिविल सर्जन की गाड़ी ने मरीज को रौंदा, मौत

नीमच। जिला अस्पताल परिसर के भीतर सिविल सर्जन की सरकारी गाड़ी ने इलाज कराने आए मरीज को रौंद दिया। हादसे में रामपुरा में राजपुरा निवासी राजू पिता हीरालाल की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राजू जिला अस्पताल में पर्ची कटवाने आया था। इसी दौरान उसे चक्कर और घबराहट महसूस हुई, जिसके चलते वह अस्पताल के गेट के पास लेट गया।

तभी सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल की सरकारी गाड़ी परिसर से गुजर रही थी और उसने राजू को रौंद दिया। हालांकि, इलाज के दौरान आधे घंटे के भीतर ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। कैंट थाना प्रभारी पुष्पा चौहान ने बताया कि गाड़ी को थाने पर खड़ा करवा लिया गया है। घटना के समय गाड़ी ड्राइवर चला रहा था और सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल गाड़ी में मौजूद नहीं थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर संस्कृति एग्जीविशन में कला और आत्मनिर्भरता का संगम

यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि सृजन, स्वरोजगार और सशक्तिकरण का उत्सव है: विधायक लारिया

सागर, दोपहर मेट्रो

यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि सृजन, स्वरोजगार और सशक्तिकरण का उत्सव है। महिलाओं के आत्म निर्भर बनने और उनके हुनर को पहचान दिलाने का यह प्रयास प्रशंसनीय है। यह प्रदर्शनी अभूतपूर्व विविधता को दर्शाती है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से कमजोर वर्गों को भी सम्मानजनक पहचान और प्रोत्साहन मिलेगा।

उक्त बात नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने वृंदावन गार्डन, मकरोनिया में संस्कृति एग्जीबिशन के उद्घाटन अवसर पर कही। दो दिवसीय संस्कृति एग्जीविशन आयोजन का उद्घाटन विधायक इंजी.प्रदीप लारिया एवं महापौर संगीता तिवारी ने किया। आयोजन की सुष्मिता ठाकुर और शालिनी समैया शिल्पकार रहीं, जिन्होंने इस पूरे आयोजन में कला, संस्कृति समागम के साथ हस्त निर्मित कलाओं

को एक मंच पर समाहित कर आयोजन की जिम्मेदारी बखूबी निभाई और तीज थीम पर आधारित उपहारों और गतिविधियों को सम्मिलित कर आगंतुकों का उत्साह और जुड़ाव बनाए रखा। एग्जीबिशन में फैशन, फूड, हैंडमेड प्रोडक्ट्स, होम डेकोर से लेकर अन्य कई रचनात्मक स्टॉल देखने को मिले।

कार्यालय नगर निगम, भोपाल

जोन क्र. 19

क्र. 73/यां.वि./2025 **निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र** भोपाल, दिनांक 17/09/2025

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु परसेन्टेज रेट मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	ठेकेदार श्रेणी	निविदा क्रय करने का अंतिम	
				दिनांक	समय
1. 2025_UAD_452420_1	ROAD MAINTANACE AND GROUND LEVELLING BY COPRA AND GITTI AT VARIOUS PLACES AT W-85, Z-19.	**4,10,737/-**	as per centraliz edregistration	01-10-25	5.30 PM

नियम व शर्तें : - 1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्य विस्तृत जानकारी पर देखी जा सकती है।

नि.क्र. 2452/025/026

सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

फजीहत के बाद भी नहीं सुधर रहा पाकिस्तान...

अब आईसीसी को पत्र लिख भेजी सफाई नियमों के उल्लंघन से मुकर गया साफ

दुबई, एजेंसी

एशिया कप 2025 में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम अपने खेल से ज्यादा दूसरी वजहों से सुर्खियां बटोर रही है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तानी टीम ने खूब नाटक किया था। पाकिस्तानी टीम ने कहा था कि यदि मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट को नहीं हटाया जाता है तो वो एशिया कप से हट जाएगी। हालांकि बाद में पाकिस्तानी टीम यूएई से मुकाबला खेलने उतरी, जहां मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट ही थे।

यूएई के खिलाफ मुकाबले से पहले एंडी पायक्रॉफ्ट की कप्तान सलमान अली आगा, कोच माइक हेसन और टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा के साथ बैठक हुई थी। इस बैठक में टीम के मीडिया मैनेजर नईम गिलानी भी शामिल हो गए थे, जो आईसीसी के प्लेयर्स एंड मीडिया ऑपरेशन्स एरिया के नियमों का उल्लंघन था। पीसीबी ने एक म्यूट वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करके दावा किया कि एंडी पायक्रॉफ्ट ने माफी मांग ली है। लेकिन सच्चाई ये थी कि पायकॉफ्ट ने केवल हाथ मिलाने वाले विवाद को लेकर अफसोस जताया था।

उधर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सीईओ संजोग गुप्ता ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ईमेल भेजा था, जिसमें खिलाड़ियों और टीम के अधिकारियों की ओर से किए गए नियमों के उल्लंघनों की जानकारी दी गई थी। आईसीसी पूरे मामले को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ एक्शन लेने पर विचार कर रहा है।

पीसीबी ने सफाई में क्या कहा?

हालांकि पीसीबी की अकड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर पीसीबी ने अपनी सफाई दी है। आईसीसी को भेजे जवाब में पीसीबी ने किसी भी तरह की गलती मानने से इनकार किया है। पीसीबी का कहना है कि कैमरा के साथ मीडिया मैनेजर की मौजूदगी पीएमओए के भीतर मानक संचालन प्रक्रिया का हिस्सा है। यदि यह नियमों के खिलाफ था तो मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को तत्काल सूचित करना चाहिए था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, मीडिया मैनेजर टीम का हिस्सा है, जो उसे पीएमओए तक जाने की इजाजत देता है। वहां मीडिया मैनेजर की मौजूदगी से कोई उल्लंघन नहीं हुआ। अगर एसओपी का पालन नहीं किया गया, तो आईसीसी को मैच रेफरी से पूछना चाहिए कि क्या पूरे मामले की सूचना एंटी करप्शन यूनिट को दी गई या नहीं।

हैंडशेक नहीं करने पर बौखला गया था पाक

पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप मुकाबले में भारतीय टीम ने सात विकेट से जीत हासिल की थी। उस मुकाबले में टॉस के समय भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने विपक्षी टीम के कैप्टन सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। फिर मुकाबले की समाप्ति के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। भारतीय खिलाड़ियों ने फैन्स की भावनाओं को ध्यान में रखकर ऐसा किया था। वैसे भी आईसीसी की रूल बुक में कहीं नहीं लिखा है कि हैंडशेक करना जरूरी है।

पाक को फिर कप्तान सूर्या ने दिखाए तेवर

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को ओमान पर जीत के बाद पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में एक बार फिर पाकिस्तान को तेवर दिखाए और उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज किया। इस मैच में भारत ने ओमान को 21 रनों से हराकर सुपर-4 चरण में प्रवेश किया। भारत ने ग्रुप-ए में यूएई, पाकिस्तान और ओमान पर लगातार जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान हासिल किया। सुपर-4 में भारत रविवार को दुबई में एक बार फिर अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। अगले मुकाबले से पहले सूर्यकुमार से पूछा गया कि क्या टीम हाई-वोल्टेज भिड़ंत के लिए तैयार है। हालांकि, भारत के कप्तान ने पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज़ किया और कहा कि वे सुपर-4 में किसी भी टीम से भिड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, सुपर फोर के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में हैंडशेक विवाद सुर्खियों में आया था, जहां टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। लेकिन ओमान के खिलाफ मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने साथ मिलकर खूब मस्ती की। सूर्या ने ओमान बल्लेबाजों की तारीफ की और उन्हें गले भी लगाया।

भारत-ओमान मैच: मजबूत भारत का कमजोर खेल

20 25 एशिया कप में 12 मैचों के पूल राउंड का आखिरी मुकाबला इस चैंपियनशिप की सबसे मजबूत बनाम कमजोर टीम यानी भारत और ओमान के बीच आबू धाबी में खेल गया।वैसे तो सुपर 4 के राउंड व टीमें तय होने के बाद इस मुकाबले के कोई मायने नहीं थे,लेकिन भारतीय टीम की बेच स्ट्रेंथ और टीम मैनेजमेंट के दिमागी अंकगणित की वजह से क्रिकेट के चाहने वाले और जानकारों की नजरें इस मैच पर टिकी हुई थीं।अब टीम इंडिया ने अपने पूल के तीनों मैच आसानी से जीतकर एशिया कप के निर्णायक दौर में बतौर सबसे मजबूत टीम दावा पेश किया है।आज से इस चैंपियनशिप के सुपर-4 के राउंड शुरू हो जायेंगे।इस दौर में दोनों ही पूल की टॉप 2 टीमें एक दूसरे से मैच खेलेंगी।मतलब चारों टीमों को 3 मैच खेलने हैं,सुपर 4 टीमों के बीच होने वाले कुल 6 मैच के बाद टॉप 2 टीम फाइनल मुकाबले में जगह हासिल कर सकेंगी।सही मायने में एशिया कप का यह लीग दौर सभी टीमों के लिए बेहद अहम और चुनौतिपूर्ण रहने वाला है।दरअसल टी20 की इस फटाफट वाली क्रिकेट में किसी भी टीम को कमतर आंकना कभी भी नुकसानदायक हो सकता है।खैर यह सब बातें तो एशिया कप के आने वाले सुपर 4 मुकाबलों के मद्देनजर कही जा सकती हैं,लेकिन अब अगर हम बात भारत ओमान मुकाबले की करें तो इस मैच में टॉस जीतकर टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बैटिंग और बॉलिंग दोनों में अपने सभी विकल्पों को आजमाया।अपने चैंपियन गेंदबाज वरुण ओर बुमराह को आराम देखकर इस मैच में सभी आलराउंडर विकल्प को बतौर बल्लेबाज और गेंदबाज आजमाया।यही कारण है कि वह खुद पारी में बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतारा।एक ओर जहां बल्लेबाजी क्रम में छेड़खानी करते हुए सैमसंग को तीसरे नंबर पर मौका दिया वहीं पंड्या,अक्षर और शिवम दुबे को तिलक वर्मा से पहले भेजकर टीम की लय पर गंभीर प्रयोग भी कर डाले।मेटे नजरिये में बल्लेबाजी क्रम की छेड़खानी के प्रयोग किसी भी टूर्नामेंट की लय के हिसाब से घातक हो सकते हैं। छेड़खानी की वजह से हीओमान के खिलाफ भी मजबूत भारतीय बल्लेबाजी वह कमाल दिखाने में नाकाम रही जिसकी आस भारतीय खेलप्रेमियों को थी।ओमान के खिलाफ सबसे मजबूत बल्लेबाजी वाली टीम इंडिया ने उम्मीद सेकम मात्र 188 रनों के स्कोर खड़ा किया। अगर टीम इंडिया अपने तय बल्लेबाजी क्रम के अनुसार खेलता तो स्कोरबोर्ड पर शायद कुछ अलग नजारा देखने मिलता और आने वाले मैचों के लिए टॉप 5 बल्लेबाजों की लय भी दमदार हो जाती।लेकिन टीम मैनेजमेंट का यह फंडा कितना कारगर होगा यह अभी भविष्य के गर्त में छुपा है।वैसे तो 188 रनों के स्कोर बनाने के बाद ऐसा लग रहा था कि टीम इंडिया के बेंच स्ट्रेंथ गेंदबाज और नियमित खेल रहे आलराउंडर गेंदबाज आसानी से ओमान के बल्लेबाजों को धराशायी कर देंगे,लेकिन मैच में इस बार टीम इंडिया के गेंदबाजों ने भी निराश ही किया।कमजोर समझे जाने वाले ओमान के बल्लेबाजों ने पूरे 20 ओवर तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया।बुमराह ओर वरुण की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया के टॉप 4 गेंदबाजों के खिलाफ ओमान के बल्लेबाजों ने लगभग 7 से अधिक के औसत से रन बना कर गेंदबाजों को भी इस मैच में बौना साबित किया।मतलब एकदम साफ है कि मौजूदा एशिया कप में अपने दमदार खेल ओर बर्ताव से खेलप्रेमियों का दिल जीतने वाली टीम इंडिया ने ओमान के खिलाफ हुए मैच में कुछ हद तक निराश ही किया है,जिसकी भरपाई वह सुपर4 राउंड में कर सकती है।वहीं इस मैच की प्रयोगशाला का असर आने वाले मैचों में कितना दिखेगा शायद यही टीम इंडिया का सबसे दिलचस्प पहलू रहने वाला है।

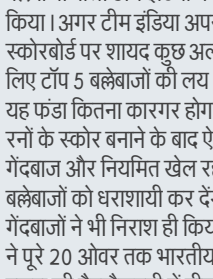

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

सुपर-4 की रोमांचक जंग आज से

विश्व जूनियर रैंकिंग- हिमांशी टोकस शीर्ष स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय जूडोका बनीं

मुंबई। हिमांशी टोकस ने जूडो में इतिहास रच दिया है। वह जूनियर विश्व रैंकिंग में महिलाओं के 63 किलोग्राम भार वर्ग में विश्व में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। वह इस खेल के इतिहास में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय जूडोका बनी हैं। महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में, भारत की शाहीन राजकभाई दरजादा चौथे स्थान पर हैं। यह पहली बार है जब दो भारतीय एथलीट अपने-अपने भार वर्ग में शीर्ष पांच में शामिल हैं। सूची में तीन स्थान की छलांग लगाने वाली हिमांशी 610 अंकों के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। अंतर्राष्ट्रीय जूडो महासंघ (आईजेएफ) द्वारा जारी विश्व रैंकिंग सूची में भारतीय जूडोकाओं ने शानदार बढ़त हासिल की है। रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से 20 वर्षीय हिमांशी पिछले सप्ताह (13 सितंबर) एशियाई जूनियर चैंपियनशिप 2025 में अपनी जीत के बाद रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं। यह इस वर्ष का उनका तीसरा खिताब था।

इससे पहले, उन्होंने जुलाई में ताइपे जूनियर एशियाई कप 2025 में अपने भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और जनवरी में कैसाब्लांका अफ्रीकी ओपन 2025 जीता था। हिमांशी ने अब तक पांच प्रतियोगिताओं, एक कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप, तीन कॉन्टिनेंटल कप प्रतियोगिताओं और एक कॉन्टिनेंटल ओपन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते हैं।

निराश जैवलिन खिलाड़ी नीरज चोपड़ा बोले

सीजन का अंत ऐसा होगा, उम्मीद नहीं थी, करना चाहता था सर्वश्रेष्ठ

नई दिल्ली। जापान की राजधानी टोक्यो में गुरुवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन का फाइनल खेला गया। भारत के स्टार जैवलिन खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। वह आठवें स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा है कि उन्हें सीजन के ऐसे अंत की उम्मीद नहीं थी। नीरज चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, मैंने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में सीजन के अंत की उम्मीद इस तरह नहीं की थी। मैं तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन वह मेरे लिए नहीं था। सचिन यादव फाइनल में चौथे नंबर पर रहे और महज 40 सेमी से तीसरा स्थान हासिल करने से चूक गए। उनके लिए नीरज ने लिखा, सचिन के लिए बहुत खुश हूं, जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और लगभग पदक जीत लिया था। चोपड़ा ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को भी बधाई दी।

अपनी पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा, आप सभी के समर्थन के लिए आभारी हूं। इससे मुझे और मजबूती से वापसी करने का दृढ़ संकल्प मिलता है। चोपड़ा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गत विजेता के रूप में उतरे थे। वह 2023 में बुडापेस्ट में खेली गई विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता रहे थे। टोक्यो नेशनल स्टेडियम में 84.03 के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे चोपड़ा का लगातार 26 पोडियम फिनिश का सिलसिला टूट गया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

नोरा फतेही और हनी सिंह का पंजाबी हिप-हॉप कोलैब है म्यूज़िक ब्लास्ट

जब ग्लोबल स्टार नोरा फतेही और म्यूज़िक सेंसेशन यो यो हनी सिंह एक साथ आते हैं, तो दुनिया की नज़रें खुद-ब-खुद उन पर टिक जाती हैं। यह पावरहाउस जोड़ी अब एक ऐसे गाने के लिए साथ आ रहे है जिसे एक गेम-चेंजिंग इंटरनेशनल पंजाबी हिप-हॉप एंथम कहा जा रहा है–जो धमाकेदार होने का वादा करता है। इस चर्चा को और बढ़ाते हुए, दोनों हाल ही में एक पॉपुलर क्लब में एक साथ डांस करते नज़र आए। जिससे ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन उनकी शानदार केमिस्ट्री के बारे में अटकलें तेज हो गईं। फैंस उनकी एनर्जी और तालमेल से इतने प्रभावित हैं कि वे अब आने वाले ट्रैक का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

नोरा के लिए यह प्रोजेक्ट उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। पेपेटा, डर्टी लिटिल सीक्रेट, स्नेक और टेटेमा जैसे ग्लोबल हिट्स के साथ उन्होंने पहले ही अंतरराष्ट्रीय संगीत जगत में अपनी पहचान बना ली है। अलग-अलग भाषाओं, जॉनर्स और कल्चर को मिलाकर उन्होंने खुद को एक सच्ची इंटरनेशनल म्यूज़िक आइकन के रूप में स्थापित किया है। अब पहली बार पंजाबी रैप और प्योर हिप-हॉप की दुनिया में कदम रखते हुए, नोरा अपने म्यूज़िकल सफर को एक नए मुकाम पर ले जा रही हैं।

मेट्रो बाजार

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.2 प्रतिशत बढ़कर 10.82 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 17 सितंबर तक पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.18 प्रतिशत बढ़कर 10.82 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। रिफंड में 23.87 प्रतिशत की तीव्र गिरावट आई है। कुल राशि में गैर-कॉर्पोरेट कर राजस्व 13.67 प्रतिशत बढ़कर 5.83 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह कर उन विशिष्ट संस्थाओं द्वारा चुकाया जाता है, जो कंपनी अधिनियम के तहत कंपनियों के रूप में रजिस्टर्ड नहीं हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध कॉर्पोरेट कर संग्रह 4.93 प्रतिशत बढ़कर 4.72 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि प्रतिभूति लेनदेन कर0.57 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 26,305.72 करोड़ रुपए हो गया। सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 3.39 प्रतिशत बढ़कर 12.43 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि रिफंड 23.87 प्रतिशत घटकर 1.60 लाख करोड़ रुपए रह गया। कुल रिफंड का अधिकांश हिस्सा कॉर्पोरेट रिफंड 13.13 प्रतिशत बढ़कर 1.23 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि गैर-कॉर्पोरेट करदाताओं को जारी रिफंड 63.39 प्रतिशत घटकर 37,306.72 करोड़ रुपए रह गया। संग्रहित कुल सकल प्रत्यक्ष कर में से कॉर्पोरेट कर 5.95 लाख करोड़ रुपए, गैर-कॉर्पोरेट कर 6.20 लाख करोड़ रुपए, एसटीटी 26,305.72 करोड़ रुपए और अन्य कर 297.13 करोड़ रुपए रहे।

कपिल शर्मा के शो पर ओमान से आईं अस्मा

भोजपुरी क्वीन का बदन पे सितारे लपेटे हुए गाने पर दिखा खास अंदाज

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर अपने लुक और अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर, खासकर इंस्टाग्राम पर, उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती जा रही है। फैंस न सिर्फ उनकी फिल्मों और गानों को पसंद करते हैं, बल्कि उनके स्टाइल और लुक्स के भी दीवाने रहते हैं।

उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने पुराने जमाने के क्लासिक गाने पर रील बनाकर सबका दिल जीत लिया। वीडियो में अक्षरा सिंह बेहद खूबसूरत अंदाज में कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने लैवेंडर कलर का ट्रेडिशनल आउटफिट पहना है, जिस पर चमचमाते सितारों जैसी कढ़ाई की गई है। उन्होंने मेकअप के तौर पर न्यूड टोन लिपस्टिक और शिमरी आईशैडो का इस्तेमाल किया है। साथ ही हाइलाइटर भी लगाया है। वहीं, बालों को पीछे की ओर पोनीटेल बनाकर स्टाइल किया गया है, जिससे उनके चेहरे की खूबसूरती और भी ज्यादा निखर कर सामने आ रही है। इस वीडियो में बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर बदन पे सितारे गाने का रिमिक्स वर्जन बज रहा है, जो इस रील को और भी शानदार बना देता है। अक्षरा की स्माइल, कैमरे के लिए उनका कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन्स वीडियो को जानदार बना रहे हैं। हर कोई उनके इस लुक की तारीफ कर रहा है। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा सिंह ने लिखा, अदाओं में कहानियां, मुस्कान में शायरी, बस। बता दें कि बदन पे सितारे गाने का रिमिक्स वर्जन काफी हिट रहा, वहीं इस गाने का ऑरिजिनल वर्जन भी उतना ही खास और ऐतिहासिक है। बदन पे सितारे लपेटे हुए गाना फिल्म प्रिंस से है, जो 1969 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में लीड रोल में शम्मी कपूर और वैजयंती माला नजर आए थे। गाने को मोहम्मद रफी ने गाया था, जबकि इसके बोल हसरत जयपुरी ने लिखे थे। वहीं, संगीत मशहूर संगीतकार जोड़ी शंकर-जयकिशन ने दिया था।

भारत अगले वर्ष 50-70 अरब डॉलर का निवेश करेगा आकर्षित : जेफरीज

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के अनुसार, अगले 12 महीनों में म्यूचुअल फंड और एसआईपी की निरंतर भागीदारी के चलते भारत में इक्विटी में 50-70 अरब डॉलर का नया निवेश होने की उम्मीद है। फर्म ने कहा कि विदेशी निवेशकों की स्थिति कई वर्षों के निचले स्तर पर होने के बावजूद, भारत वैश्विक बाजारों में सबसे मजबूत संरचनात्मक विकास की कहानी बना हुआ है।

अपनी लेटेस्ट ग्रीड एंड फियर रिपोर्ट में जेफरीज ने 2025 को भारतीय इक्विटी के लिए हेल्दी कंसोलिडेशन का वर्ष बताया है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि म्यूचुअल फंड और एसआईपी से लगातार घरेलू प्रवाह विदेशी निवेश का अधिकांश हिस्सा अवशोषित कर लेगा, जिससे बाजार को गति बनाए रखने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आर्थिक विकास में तेजी आने के साथ ही 2026 में भारत में एक नई तेजी देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट ने हाल ही में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की ओर इशारा किया, जिनमें जीएसटी रेट कट भी शामिल है, जिससे खपत और लिक्विडिटी में वृद्धि की उम्मीद है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा हाल ही में की गई ब्याज दरों में कटौती से इस साल के अंत से पहले भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दरों में फिर से ढील दिए जाने की संभावना बढ़ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी कटौती, आरबीआई द्वारा दरों में संभावित ढील और मजबूत कॉर्पोरेट आय के संयुक्त प्रभाव को देखते हुए अभी भी संभावना है कि 10-15 प्रतिशत रिटर्न का लक्ष्य बहुत कम साबित हो।

कनाडा की टोरंटो यूनिवर्सिटी से एआई में ग्रेजुएशन, मिल रहा 70 लाख का पैकेज

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनियाभर में इस वक्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) छाया हुआ है। टेक सेक्टर में अभी सबसे ज्यादा उन लोगों की डिमांड है, जिनके पास AI से संबंधित डिग्री है। इन लोगों को लाखों रुपये महीने का पैकेज भी आसानी से मिल रहा है। कनाडा भी दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां AI में डिग्री हासिल की जा सकती है। यहां पर कई सारी यूनिवर्सिटीज में ये कोर्स करने का ऑप्शन है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट के मुताबिक, कनाडा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई के लिए नंबर वन संस्थान टोरंटो यूनिवर्सिटी है। यहां पर AI की फील्ड में काफी अच्छी रिसर्च की गई हैं। टोरंटो यूनिवर्सिटी कनाडा के सबसे बड़े शहरों में से एक टोरंटो में स्थित है। अगर आप AI में वर्ल्ड-क्लास एजुकेशन हासिल करना चाहते हैं, तो फिर इससे बढ़िया संस्थान आपके लिए कोई नहीं हो सकता है। यहां के ग्रेजुएट्स को कनाडाई टेक सेक्टर में आसानी से जॉब भी मिल जाती है।

टोरंटो यूनिवर्सिटी में फीस

विदेशी स्टूडेंट्स के लिए कनाडा में पढ़ना काफी ज्यादा महंगा है। ऐसे में अब ये सवाल उठता है कि अगर किसी को कनाडा में जाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी डिग्री हासिल करनी है, तो उसे कितना पैसा खर्च करना होगा। अगर आप मास्टर प्रोग्राम करते हैं, जैसे MSc in Computer Science with a focus on AI या MScAC in Applied Computing with AI concentration, तब आपको ट्यूशन फीस के तौर पर 31.50 लाख से 41 लाख रुपये खर्च करने होंगे। वहीं, डॉक्टोरल प्रोग्राम जैसे Ph.D. in Computer Science with an AI specialization करने के लिए आपको ज्यादा फीस नहीं देनी होगी। इसकी वजह ये है कि आपको इन कोर्सेज के लिए फंडिंग मिल जाती है। पीएचडी कोर्सेज की फीस 4.50 लाख से 9 लाख रुपये के बीच है। आपको बता दें कि कनाडा में रहने-खाने का खर्च भी काफी ज्यादा है। यहां रहने-खाने, ट्रांसपोर्टेशन, बुक्स और निजी खर्चों के लिए आपको सालना 12.50 लाख से 19 लाख रुपये की जरूरत पड़ेगी। अच्छी बात ये है कि आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

एआई डिग्री की ओर सबसे ज्यादा रुझान

जॉब बैंक कनाडा के मुताबिक, अगर आप मशीन लर्निंग इंजीनियर के तौर पर काम करते हैं तो फिर आपकी एंट्री-लेवल में औसतन सालाना सैलरी 53.50 लाख से 63 लाख रुपये के बीच होगी। डाटा साइंटिस्ट को एंट्री-लेवल पर 50 लाख से 75.50 लाख रुपये सालाना की सैलरी मिल सकती है। इसी तरह से AI रिसर्चर्स को कनाडा में 47 लाख से 70 लाख रुपये सालाना के बीच सैलरी दी जा रही है। एक्सपीरियंस के साथ आपकी सैलरी भी बढ़ती जाएगी।

लाखों पेड़ों के साथ समुद्र से जंग को तैयार जापान की ग्रेट सुनामी वॉल

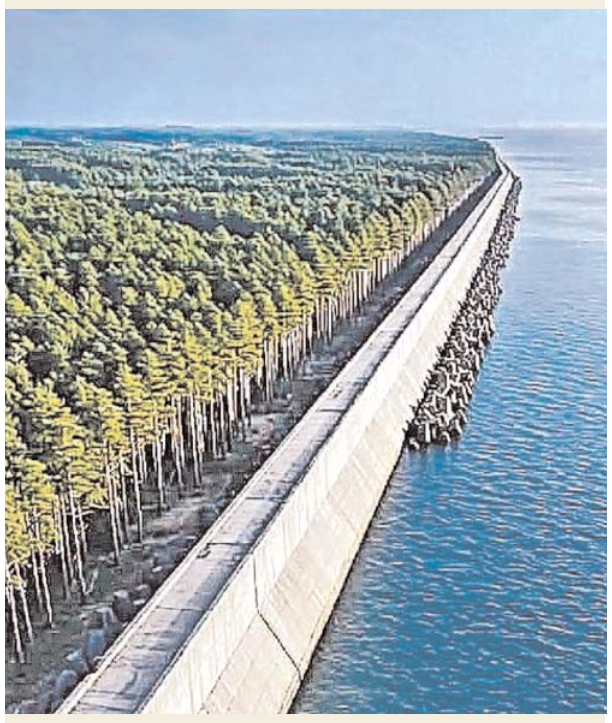

वर्ष 2011 की विनाशकारी सुनामी के बाद जापान ने सिर्फ पुनर्निर्माण ही नहीं किया बल्कि अपने समुद्री तट को नए सिरे से गढ़ा। 395 किलोमीटर लंबी और 12.5 मीटर ऊंची 'ग्रेट सुनामी वॉल' समुद्र के प्रकोप को रोकने के लिए खड़ी है। इसके साथ 90 लाख पेड़ लगाए गए हैं, जो प्राकृतिक ढाल बनाकर तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत करते हैं। यह दीवार केवल कंक्रीट नहीं, बल्कि सुरक्षा और उम्मीद का वादा है।

कांग्रेस के वजूद पर पहले लालू यादव उठाया करते थे सवाल

भाकपा माले ने कांग्रेस को याद दिलाई औकात कहा - सरकार बनी तो तेजस्वी होंगे सीएम

पटना, एजेंसी

इंडिया गठबंधन में भाकपा माले (लिबरेशन) सधे हुए अंदाज में गेम खेल रही है। फिलहाल वह राजद के लिए जोरदार बैटिंग कर रही है। इंडिया गठबंधन में मुख्यमंत्री चेहरा को लेकर कांग्रेस भले टालमटोल कर रही है लेकिन भाकपा माले खुलेआम तेजस्वी के पक्ष में है। वह साफ-साफ कह रही है कि अगर बहुमत मिला तो मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ही बनेंगे। अब तो वह राजद के वास्ते कांग्रेस को नसीहत भी देने लगी है। पहले तो लालू यादव ही बिहार में कांग्रेस की औकात पर सवाल उठाते थे। लेकिन अब भाकपा माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी कांग्रेस की हैसियत पर सवाल पूछने लगे हैं। उन्होंने ज्यादा सीट मांगने पर कांग्रेस को कहा, औकात से अधिक मांगना ठीक नहीं। कम सीटों पर लड़िये और अधिक पर जीतिए। यही कांग्रेस और महागठबंधन के हित में है।

राजद की छत्रछाया में भाकपा माले

भाकपा माले (लिबरेशन) का मूल संगठन कभी भूमिगत रह कर सशस्त्र क्रांति से राजनीतिक बदलाव की बात करता था। लेकिन अब चुनावी राजनीति की महत्वाकांक्षा ने इस क्रांतिकारी दल को समझौते के लिए मजबूर कर दिया है। वह ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतना चाहती है और इसके लिए किसी की छत्रछाया में जाने के लिए तैयार है। यह हैरत की बात है कि क्रांति का अलख जगाने वाली यह पार्टी अब अपना भविष्य राजद को मजबूत करने में देख रही है। इतना ही नहीं जिस कांग्रेस को वह कभी पूंजीपतियों का दल कहती थी आज उसी के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही है।

बेहतर स्ट्राइक रेट इसलिए 40 सीटें चाहिए

इस बार उसने 40 सीटों की डिमांड रखी है। वह नपी-तुली चाल से अपने मोहरे आगे बढ़ा रही है। 2020 के विधानसभा चुनाव में उसका स्ट्राइक रेट अन्य सहयोगी दलों से बेहतर था। कुल 19 सीटें मिली थीं जिसमें से उसे 12 पर जीत मिली थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाकपा माले को इंडिया गठबंधन में 3 सीटें मिली थीं जिसमें से उसने दो पर जीत कर सभी को चौंका दिया था। सिर्फ नालंदा सीट पर उसकी हार हुई थी। लोकसभा चुनाव में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद भाकपा माले का हौसला बुलंदियों पर है। अपने संसदीय यात्रा में वह फिलहाल सर्वश्रेष्ठ पड़ाव पर है। इंडिया गठबंधन में वह खुद को मेन प्लेयर मानने लगी है। इसी हौसले के कारण 2025 में 40 सीटें मांग रही है।

निरहुआ का राहुल पर तंज -गिद्ध के मानने से गाय नहीं मरती

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने राहुल गांधी के हालिया जेन जी वाले पोस्ट पर तंज कसते हुए कहा कि गिद्ध के मनाने से गाय नहीं मरती। निरहुआ ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी खुलकर बयान दिए। राहुल गांधी के हालिया जेन जी वाले ट्वीट पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, भोजपुरी में कहावत है- गिद्ध के मानने से गाय नहीं मरती। राक्षस के मनाने से गाय नहीं मरती। किसी के चाहने से कुछ नहीं होता। भारत एक मजबूत देश है और इसकी कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है। जब पीएम मोदी दुनिया के सामने भारत का सिर नहीं झुका रहे, तो इन लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रहा। इसलिए ये उटपटांग बातें कर रहे हैं।

लालू ने डैमेज किया तो तेजस्वी कर रहे मजबूत

एक समय था जब लालू यादव की लहर में भाकपा माले की कमर टूट गयी थी। लालू यादव ने पिछड़ावाद का ऐसा चमत्कारी रंग जमाया कि माले के आधार मत राजद की झोली में आ गिरे। लालू -राबड़ी राज में माले के विधायकों की संख्या 5,6,7 के बीच सीमित रही। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भाकपा माले लालू यादव के खिलाफ चुनाव लड़ती थी। पिछड़ा और दलित वर्ग लालू यादव के साथ खड़ा था। जातिवाद की हवा में धुर वामपंथी सिद्धांत तिनके की तरह उड़ गये। लालू यादव ने जातीय आधार पर भाकपा माले जैसी कैडर वाली पार्टी को भी तोड़ दिया। 1990 में आइपीएफ (भाकपा माले) ने 7 सीटें जीती थीं। लेकिन 1991 में लालू यादव ने इन सात में से चार विधायकों- भगवान सिंह, केडी यादव, उमेश सिंह और सूर्यदेव सिंह को तोड़ कर अपनी पार्टी में मिला लिया था। अब तेजस्वी यादव के जमाने में राजद-माले में भाई-भाई वाला माहौल है।

वीजा दुरुपयोग पर ट्रंप सख्त अब लगेगा भारी जुर्माना

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर पांबदी लगाई गई है और वीजा का इस्तेमाल करके विदेश से कर्मचारी लाने पर कंपनियों पर हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का भारी शुल्क लगाया है। यह फैसला भारत जैसे देशों से कामगार लाने वाली कंपनियों को प्रभावित करेगा।

ट्रंप ने कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध नाम के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें कहा गया है कि जिन एच1-बी वीजा आवदेन के साथ एक लाख डॉलर का भुगतान नहीं किया गया है, उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने कहा, एच-1बी वीजा कार्यक्रम को अमेरिका में अस्थायी रूप से काम करने वाले कुशल लोगों के लिए बनाया गया था, लेकिन इसे जानबूझकर इस तरह इस्तेमाल किया गया कि अमेरिकी श्रमिकों को हटाकर कम वेतन वाले और कम कुशल विदेशी कामगारों को उनकी जगह पर रखा गया। उन्होंने कहा कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन आउटसोर्सिंग कंपनियों की जांच की है, जो एच-1बी वीजा पर ज्यादा निर्भर हैं। इन कंपनियों पर विदेशी कामगारों को अमेरिका लाने के लिए वीजा धोखाधड़ी, धनशोधन की साजिश और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं।

पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेड़कर का ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने पूर्व प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेड़कर के ड्राइवर को रोड रेज मामले में गिरफ्तार किया है। पिछले सप्ताह नवी मुंबई में रोड रेज की घटना के बाद एसयूवी में सवार दो लोगों ने कथित तौर पर ट्रक चालक को अगवा कर लिया।। वह शख्स पुलिस को बाद में पूजा खेड़कर के घर से मिला था।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान ड्राइवर की संलिप्तता सामने आने पर उसे हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया था कि पुणे पुलिस ने पूजा खेड़कर की मां मनोरमा खेड़कर के खिलाफ चालक की तलाश में घर में घुसने की कोशिश कर रही पुलिस को कथित तौर पर बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। नवी मुंबई पुलिस ने एसयूवी सवार लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया था। पूजा खेड़कर पर सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी और ओबीसी व दिव्यांग कोटे का गलत लाभ उठाने का आरोप है।

एक साल में 100 से ज्यादा स्कूलों को मिल चुकी है धमकी

दिल्ली में कई स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्कूलों को बम की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज एक बार फिर से कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं।

बम निरोधक दस्तों के साथ पुलिस की टीमों ने स्कूलों की गहन तलाशी ली है। हालांकि जांच में अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट को पांच सितारा होटल ताज पैलेस को भी बम से उड़ने की धमकी मिली थी। ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी। पुलिस ने डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ते आदि से चेकिंग करवाई, लेकिन पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली-एनसीआर के करीब 100 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी ही धमकियां मिल चुकी हैं। इनमें डीपीएस वसंत विहार, अमेटी स्कूल साकेत, सलवान पब्लिक स्कूल, मॉडर्न स्कूल, वसंत वैली स्कूल, सेंट स्टीफंस कॉलेज और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) जैसे संस्थान शामिल हैं।

जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को आ चुके थे फेक कॉल्स

जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिली थी। 17 जुलाई को पुलिस ने एक 12 वर्षीय बच्चे को गिरफ्तार किया था, जिसने सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को धमकी ई-मेल भेजा था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अब तक सभी धमकियां झूठी साबित हुई हैं, लेकिन हर मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाता है।

उधमपुर- किश्तवाड़ में 7 आतंकी घेरे में

जम्मू, एजेंसी

उधमपुर और किश्तवाड़ दोनों स्थानों पर कुल सात आतंकियों को घेरने की खबर सामने आ रही है। माना जा रहा है कि उधमपुर में फंसे आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हो सकते हैं। उधमपुर के डुडू बसंतगढ़ क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अभियान में सेना, पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की संयुक्त टीम शामिल रही। तलाशी के दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें एक जवान घायल हो गया। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तीन से चार आतंकियों को घेर लिया है। ऑपरेशन अभी भी जारी है।

मेट्रो एंकर स्कूल की चेकिंग के दौरान टीचर्स के डर से मुंह नहीं खोला

तीन किमी पैदल चलकर छात्रों ने एसडीएम को बताए स्कूल के हाल

खरगोन, एजेंसी

प्रदेश के खरगोन जिले में बड़वाह के एक्सीलेंस स्कूल के छात्र विभिन्न शिकायतों को लेकर 3 किलोमीटर पैदल चलने के बाद एसडीएम कार्यालय पहुंच गए। एसडीएम ने उन्हें आश्वस्त करने के अलावा आधा दर्जन से अधिक लोगों को नोटिस देने के निर्देश दिए हैं। छात्रों ने रेगुलर क्लासेस नहीं लगने और नियमित प्राचार्य नहीं होने की शिकायत को लेकर पैदल मार्च किया और एसडीएम ऑफिस जा पहुंचे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि व्यवस्थाएं नहीं बदली तो वह चौराहे पर आकर अपनी पढ़ाई करेंगे।

7 शिक्षक और बाबुओं को नोटिस

एसडीएम ने बताया कि कुछ विषयों की नियमित क्लासेस नहीं लगने और अन्य समस्याओं का निराकरण सोमवार को कर दिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर और ब्लॉक एजुकेशन ऑफीसर से चर्चा की है। उन्होंने बताया कि सात अनुपस्थित शिक्षकों व बाबुओं को शो कॉज नोटिस भी दिया गया है।

टीचर्स की वजह से नहीं कह पाए समस्या

बड़वाह के एसडीएम सत्यनारायण दर्रो बड़वाह के एक्सीलेंस स्कूल में निरीक्षण के लिए गए थे, जब वह लौटे तो उनके पीछे-पीछे छात्र भी उनके ऑफिस तक पहुंच गए। छात्रों को लगा कि अध्यापकों की उपस्थिति में वह अपनी बात नहीं कह पाए हैं। एसडीएम ने स्कूल के सभी कक्षों का निरीक्षण किया। एसडीएम के जाने के बाद एग्रीकल्चर के कक्षा 11 वी एवं 12 वी के विद्यार्थी पैदल एसडीएम कार्यालय के लिए निकल गए7 छात्र आयुष हिरवे,अभिषेक पटेल,विशाल बरेला,अमित सोलंकी एवं छात्रों का कहना था कि एसडीएम साहब की गाडी देख कर शिक्षक क्लास में पढ़ाने आ गए थे,अधिकारी के जाने के बाद वापस चले गए। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी एसडीएम को शिकायत की थी। इसके बावजूद भी उत्कृष्ट स्कूल में व्यवस्था सुधर नही रही है।

मौलाना तौकीर बोले- नेपाल-श्रीलंका से ज्यादा है भारत में मुसलमान

बरेली, एजेंसी। बरेली में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने भाजपा और सरकार पर जमकर निशाना साधा।

तौकीर ने कहा कि रसूल आजम के लिए आई लव मोहम्मद कहने पर जुर्म बना दिया गया है। इस पर मुकदमे लिखा जा रहे हैं। धर्म परिवर्तन के नाम पर एक तरफा कार्रवाई की जा रही है, जबकि मुस्लिम बहन बेटियों को धर्म परिवर्तन करने वालों पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। अब हद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हम अपने मुल्क में नेपाल-बांग्लादेश-श्रीलंका जैसे हालात नहीं बनने देना चाहते, क्योंकि हम अपने मुल्क से मोहब्बत करते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564